# कोविद **-19** के कारण लॉकडाउन **(**बंदी**)** अवधी के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के कृषि सलाह

भारत सरकार ने दिशानिर्देश* जारी किये है जिससे कि कृषि और इससे संबन्धित क्षेत्रों की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निर्धारित सावधानियों का पालन करते हुए जारी रह सके। किसानों की सुविधा के लिए इन्हें निष्कर्ष रूप में यहाँ सूचीबद्ध किया गया है

कृषि और संबन्धित गतिविधियाँ जिनको लॉक डाउन **(**बंदी**)** छूट प्राप्त है*****

i. पशु चिकित्सालय
ii. कृषि उत्पादों की सरकारी खरीद में लगे अभिकरण, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी सम्मिलित है
iii. 'मंडियाँ' जो कृषि उत्पाद विपणन समितियों द्वारा संचालित है या जैसे राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित है
iv. किसानों एवं कृषि श्रमिकों द्वारा खेती-बाड़ी की गतिविधियाँ
v. कृषि मशीनों/यन्त्रों से संबन्धित यंत्र सुलभिकरण केंद्र (सी एच सी)
vi. उर्वरक, पीड़कनाशी (पेस्टीसाइड्स) और बीज का विनिर्माण/उत्पादन और पैकेजिंग करने वाली इकाइयाँ
vii. फसल कटाई और बुवाई से संबन्धित मशीनों जैसे कि कम्बाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि और बागवानी औज़ार आदि का अन्तः और अंतरा राज्य आवागमन
viii. कृषि मशीनों/उपकरणो/औजारों, इनके अतिरिक्त पुर्जों (इनकी आपूर्ति शृंखला भी सम्मिलित) और मरम्मत की दुकाने खुली रहेगी
ix. राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रक मरम्मत की दुकानें, ईंधन/पेट्रोल पम्प पर स्थित को प्राथमिकता/वरीयता
x. चाय उद्योग, जिसमें बागान भी सम्मिलित अधिकतम 50% श्रमिकों के साथ

***** बिन्दु **(i** से **vii)** गृह मंत्रालय**,** भारत सरकार देखे आदेश सं **40-3/2020-DM-I(A)** दिनाँक **24, 25 and 27** मार्च **2020,** उपधारा **2,4, 5** के अतिरिक्त एवं **6** के अपवाद के दिशा**-**निर्देश अनुसार**;** और बिन्दु **(viii** से **x)** एमएचए के आदेश सं **40-3/2020-DM-I(A)** दिनाँक **24.03.2020** के चौथे परिशिष्ठ अनुसार जो की समेकित दिशानिर्देशों के संलग्नक के रूप में था

यह छूटें कृषि और किसानी से जुड़ी गतिविधियों को अबाध रूप में जारी रखने में मदद करेगी ताकि अनिवार्य आपूर्ति सुनिश्चित हो और किसानों को लॉकडाउन अवधि में किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

भारत सरकार के नीति निर्देशों के आधार पर विभिन्न मंत्रालयों/ राज्य सरकार के विभागों ने कृषि और इससे संबन्धित क्षेत्रों की गतिविधियों को जारी रखने के लिए अमल में लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए है

## किसानों के लिए सलाह

### फसलों की कटाई और मड़ाई

कोविद-19 के फैलने के खतरे के बीच, रबी फसलों के पकाव का समय आ रहा है। फसल कटाई और उत्पाद को संभालना जिसमें शामिल है इसको विपणन के लिए ले जाना इन्हें टाला नहीं जा सकता क्योंकि कृषि कार्य समयबद्ध होते है। परंतु, किसानों को बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए सावधानियों और सुरक्षा उपायों को अपनाना पड़ेगा।

साधारण उपायों में सम्मिलित है सामाजिक दूरी, हाथों को साबुन से धोकर अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, चेहरे पर मास्क पहनना, सुरक्षा परिधान और औजारों और मशीनों की सफाई। श्रमिकों को कृषि कार्यों की पूरी प्रक्रियाओं के दौरान प्रत्येक कदम पर सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों को अपनाना चाहिए।

- उत्तर राज्यों में गेहूँ की कटाई नजदीक आ रही है और कम्बाइन हार्वेस्टर के राज्यों के अन्दर और एक से दूसरे राज्य में आवागमन की अनुमति दी गई है। मरम्म, रख-रखाव और कटाई संबंधी कार्यों में लगे सभी श्रमिकों के सावधानियों और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- सरसों रबी दूसरी महत्वपूर्ण फसल है, हाथ से कटाई चल रही है और जहां भी फसल कट गई है वहाँ मड़ाई बाकी है।
- मसूर, मक्का, और मिर्ची की कटाई चल रही है और चना की जल्दी शुरू होने वाली है।
- गन्ने की कटाई अपने चरम पर है और उत्तर भारत में हाथ से बुवाई का भी समय है।
- जो भी फसलों, फलों, सब्जियों, अंडो और मछली की कटाई में लगे है उनके द्वारा, कृषि कार्यों के दौरान और बाद में, व्यक्तिगत स्वच्छता उपाय और सामाजिक दूरी को अपना जाना चाहिए।
- जहां कटाई/ चुनाई कर कार्य हाथों से हो रहा हो, वहाँ कार्य को 4-5 फीट चौड़ाई की पट्टियों में किया जाना चाहिए और एक पट्टी में एक व्यक्ति को कार्य करना चाहिए। इससे कार्यरत श्रमिकों में समुचित दूरी सुनिश्चित होगी।
- कार्यरत सभी व्यक्तियों को मास्क का उपयोग करना चाहिए और समुचित अंतराल पर साबुन से हाथ धोना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- आराम के दौरान, खाना खाते समय, उत्पाद का संग्रहण केन्द्र पर परिवहन के समय, उतारते/चढ़त समय 3-4 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखे।
- जहां तक संभव हो कृषि कार्य समय अंतराल से करे और एक ही दिन में बहुत सारे लोगों को काम में लगाने से बचे।
- जहाँ तक संभव हों परिचित व्यक्तियों को ही कार्य में लगाए और आवश्यक पूछताछ के बाद ही लगाए ताकि कृषि कार्यों के दौरान किसी भी संदिग्ध या विषाणु वाहक के प्रवेश से बचा जा सके।
- जहाँ भी व्यवहार्य हो वहाँ मशीनों से कटाई को प्राथमिकता देवें। मशीन के साथ केवल जरूरी संख्या में आवश्यक व्यक्तियों को ही अनुमति दे।
- सभी मशीनों को प्रवेश द्वार और नियमित अंतराल पर सेनीटाइज़ (अच्छी तरह से साफ सफाई) करते रहे। सभी परिवहन वाहनों, जूट बोरों या अन्य पैकेजिंग सामान को भी सेनीटाइज़ किया जाना चाहिए।
- उत्पाद का संग्रहण 3-4 फीट की दूरी पर छोटी ढ़ेरियों में किया जा सकता है और खेत स्तर के प्रसंस्करण को प्रति ढ़ेरी 1-2 व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिससे भीड़ से बचा जा सके।
- मक्का और मूँगफली के लिए उपयोग में लाये जाने वाले थ्रेशर की उचित स्वच्छता और सफाई राखी जानी चाहिए, विशेषकर यदि मशीनें कृषक समूह द्वारा सहभागिता/साझेदारी में उपयोग लाई जा रही हो। मशीनों के उन भागों की प्रचूरता से साबुन के पानी से धुलाई करने की सलाह दी जाती है जिन्हें उपयोग के समय बार-बार छूआ जाता है।

फसल कटाई उपरान्त, भंडारण और कृषि उत्पाद का विपणन

- जब सुखाने, मड़ाई, ओसाईं, सफाई, श्रेणीकरण, छंटाई और पैकेजिंग आदि कार्य खेत पर करे तब, मुँह पर सुरक्षा मास्क जरूर पहने इससे धूल मिट्टी के कणों और ऐरोसोल के खिलाफ सुरक्षा मिल सकती है जिससे साँस संबंधी परेशानियों से बचा जा सके।

- भंडारण से पूर्व अनाजों, दलहनों और मोटे अनाजों को खेत/घर पर पूरी तरह से सुखाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और गत वर्ष उपयोग में लाये जूट बोरों का फिर से उपयोग करने से बचना चाहिए ताकि कीड़ों के प्रकोप से बचाव हों। जूट के बोरों का 5% नीम के घोल में डूबाने और सुखाने के बाद प्रयोग करें।
- उत्पाद को खेत पर या नजदिकी शीत भंडार गृह, गोदाम, आदि में भंडारण करें , यदि बेहतर भाव एक लिए जरूरी हो तो, भंडारण के लिए जूट बोरों का उपयोग पर्याप्त सावधानी के साथ करना चाहिए जो कि किसानों को पर्याप्त संख्या में उपलब्ध करवाए गए है।
- कृषि उत्पाद को लिए चढ़ाने और परिवहन करने तथा मंडी में बेचान के लिए नीलामी में भाग लेते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए।
- बीज उत्पादक किसानों को आवश्यक जरूरी कागजात के साथ बीज कंपनियों को बीज परिवहन करने की अनुमति होगी और भुगतान प्राप्ति के समय सावधानी अपनानी होगी।
- बीज प्रसंस्करण/पैकेजिंग संयंत्र और बीज उत्पादक राज्यों से बीजों का फसल उगाने वाले राज्यों (दक्षिण से उत्तर) तक परिवहन अत्यंत आवश्यक है ताकि खरीफ फसलों के लिए बीज उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
- सब्जियों जैसे टमाटर, फूलगोभी, हरी पत्तेदार सब्जियों, कद्दूवर्गीय और अन्य सब्जियों के खेत से सीधा बेचान (विपणन)/ आपूर्ति करने में सावधानी बरती जानी चाहिए।

खेत में खड़ी फसलें

- ज़्यादातर गेहूं उगाने वाले क्षेत्रों में तापमान अभी भी दीर्घ-अवधि औसत तापमान से नीचे चल रहा है जिससे गेहूं की कटाई में कम से कम 10-15 दिनों की देरी होगी यानि 10 अप्रैल से आगे तक, इसलिए, किसान गेहूं की कटाई 20 अप्रैल तक कर सकते है उपज में बिना किसी महत्वपूर्ण नुकसान के, इससे उनको पर्याप्त समय मिल जाएगा, खरीद के लिए सहायक उपायों का प्रबंध करने और तिथि घोषित करने में।
- दक्षिणी राज्यों में धान की फसल दाना भरने की अवस्था में है और ये ग्रीवा झुलसा के प्रकोप से बड़े स्तर पर प्रभावित होती है, जब अनुमोदित फफूँदनाशक का संविदा पर छिड़कने वाले/ किसान छिड़काव करे तब पर्याप्त सावधानी बरती जानी चाहिए।
- धान की कटाई की अवस्था में यदि कहीं पर बेमौसम बारिश हो जाए तो दानों को अंकुरित होने से बचाने के लिए 5% नमक के घोल का छिड़काव करें।
- बागवानी फसलों में फलन अवस्था है, जैसे कि आम, पौषक तत्व छिड़काव व पौध संरक्षण जैसी कृषि क्रियाएँ करते समय आदानों को संभालने, मिलाने, पहुंचाने और उपकरणों को धोने आदि में सावधानी बरती जानी चाहिए।
- धान के बाद में ग्रीस्मकालीन दलहनों में, सफ़ेद मक्खी के प्रबंधन पूरे सुरक्षा उपायों के साथ किया जाना चाहिए जिससे पीला मौजेक विषाणु के प्रकोप से बचा जा सके।

## Agro-advisory for farmers and farming sector during lockdown period due to COVID-19

Government of India has brought out guidelines* so that important agricultural and allied sector activities continue with the prescribed precautions in place. For the benefits of the farmers, these are extracted and listed here.

**Agricultural and allied activities exempted from lockdown***

i. Veterinary hospitals
ii. Agencies engaged in procurement of agriculture products, including MSP operations
iii. 'Mandis' operated by the Agriculture Produce Market Committee or as notified by the State Government
iv. Farming operations by farmers and farm workers in the field
v. Custom hiring centres (CHC) related to farm machinery
vi. Manufacturing and packaging units of Fertilizers, Pesticides and Seeds
vii. Intra and inter-state movement of harvesting and sowing related machines like combined harvester and other agriculture/ horticulture implements
viii. Shops of agriculture machinery, its spare parts (including its supply chain) and repairs to remain open
ix. Shops for truck repairs on highways, preferably at fuel pumps
x. Tea Industry, including plantation with maximum of 50% workers

***points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.**

These exemptions will facilitate unhindered activities related to agriculture and farming so as to ensure essential supplies and farmers do not face any difficulty during the lockdown.

Based on the policy directions of GoI, various ministries/ departments of State Governments issued implementation guidelines to facilitate continuation of activities related to agriculture and allied sectors.

**Advisory for farmers**

**Harvesting & threshing of crops**

Amidst the threat of COVID-19 spread, the rabi crops are approaching maturity. Harvesting and handling of the produce including its movement to the market are inevitable as the agricultural operations are time bound. However, famers are to follow precautions and safety measures to be taken to prevent the disease spread. Simple measures include social distancing, maintaining personal hygiene by washing of hands with soap, wearing of face mask, protective clothing and cleaning of implements and machinery. Workers to follow safety measures and social distancing at each and every step in the entire process of field operations.

- Harvesting of wheat is approaching in several northern states through combine harvesters and their movement within state and between states has been permitted. Precautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation is to be ensured.
- Mustard is the second important rabi crop, manual harvesting is in progress and threshing is due wherever already harvested
- Harvesting of lentil, maize and chillies is in progress and gram is fast approaching.
- Sugarcane harvesting is at peak and is also time for manual planting in the north
- Measures of personal hygiene and social distancing to be followed by those engaged in harvesting of all field crops, fruits, vegetables, eggs and fishes before, during and after executing the field operation.
- In case of manual field operations of harvesting/ picking, accomplish the operation in 4-5 feet spaced strips assigning one strip to one person. This will ensure adequate spacing between the engaged labour.
- All the persons engaged should use masks and ensure hand washing with shop at reasonable intervals.
- Maintain safe distance of 3-4 feet during rest, taking of meals, transfer of produce at collection point, loading/unloading.
- Stagger the field operations wherever possible and avoid engaging greater number of persons on the same day.
- Engage only familiar persons to the extent possible and after reasonable enquiry as to avoid the entry of any suspect or likely carrier during field activity.
- Prefer mechanized operations over the manual wherever feasible. Only the essential numbers of persons should be allowed to accompany the machine.
- All machines should be sanitized at the entry point and at regular intervals. All transport vehicles, gunny bags or other packaging material should also be sanitized
- The collection of the produce may be done in small heaps spaced at 3-4 feet and field level processing should be assigned to 1-2 persons/heap to avoid crowding.
- Proper sanitation and cleanliness of threshers for harvested maize and groundnut is to be maintained especially when machines are shared and used by farmer groups. Copious washing of machine parts frequently touched with soap is advised.

**Post-harvest, storage and Marketing of farm produce**

- While performing drying, threshing, winnowing, cleaning, grading, sorting and packaging operations at the farm level, wearing of protective face mask may help against aerosols and dust particles to prevent respiratory difficulties.
- Ensure proper drying prior to storage of harvested grains, millets, pulses at farm/home and do not use reuse previous seasons jute bags to prevent pest infestation. Use treated and dried gunnies after soaking in 5% neem solution.
- Adequate pre-cautions to be taken for storage of produce at the farm in jute bags that are made available in sufficient numbers to farmers or in nearby cold storages/ godowns / warehouses, if needed for better price realization
- Adequate personal safety measures to be taken for loading and transporting of farm produce and while participating in sale at market yards/ auction platforms
- Seed producer farmers are permitted to transport to seed companies with supporting documents and to follow precautions while receiving payments
- Seed processing/packaging plants and transportation of seed from seed producing states to growing states (South to north) is essential to make available seed for ensuing *kharif* crops eg., SSG seed for green fodder for sowing in April in north comes from southern states
- Precautions to be followed for direct marketing/ supply of vegetables such as tomato, cauliflower, green leafy vegetables, cucumbers and other cucurbits from farms

**Standing field crops**

- The temperature in most of the wheat growing areas is still below long-term average and likely to delay wheat harvesting by at least 10-15 days beyond April 10, therefore, farmers can delay wheat harvesting till April 20 without incurring any significant loss, which gives enough time to manage logistics for procurement and announcement of dates
- Rabi Paddy in grain filling stage in southern states is widely affected due to neck blast incidence, adequate pre-cautions to be taken while spraying of recommended fungicide by contract sprayers/ farmers
- In case of any unseasonal rain at harvesting stage in paddy, spray 5% salt solution to prevent seed germination
- In horticultural crops at fruiting stage such as mango, while carrying out field operations related to nutrient sprays and crop protection adequate precautions in handling of inputs, mixing, delivery and washing of equipment is to be undertaken
- In summer pulses in rice fallows, whitefly management with proper safety measures may be taken up to prevent yellow mosaic virus incidence

**ASSAMESE**

## ক'ভিড ১৯ নামৰ ভাইৰাচৰ বিস্তাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে আহ্বান জনোৱা ল'ক ডাউন সময়ছোৱাত কৃষকবন্ধু আৰু কৃষি খণ্ডৰ বাবে কৃষি সম্পৰ্কীয় পৰামৰ্শৱলী

ভাৰত চৰকাৰে দেশৰ কৃষি আৰু ইয়াৰ সহযোগী ক্ষেত্ৰসমূহত সতৰ্কতাৰে কৰিবলগীয়া বিভিন্ন কাৰ্যসমূহৰ বাবে কিছু নিৰ্দেশাৱলী প্ৰস্তুত কৰিছে। কৃযকৰ সুবিধাৰ্থে আৰু সহায়ৰ বাবে এই সমূহ তলত উল্লেখ কৰা হ'ল

### তলাবন্ধৰপৰা অব্যাহতি প্ৰদানকৰা কৃষি আৰু কৃষিসম্বন্ধীয় কামকাজসমূহ

(i) পশুচিকিৎসালয়

(ii) নূন্যতম সৰ্মথন মূল্যৰ লগত জড়িত সকলোকোসামৰিকৃষিজাতসামগ্ৰীসমূহৰক্ৰয় (procurement)ৰ লগত জড়িতসংস্হাসমূহ।

(iii) কৃষিউৎপাদিতসামগ্ৰীৰবজাৰসমিতিৰদ্বাৰাপৰিচালিতঅথবাৰাজ্যচৰকাৰৰদ্বাৰাবিজ্ঞাপিত বজাৰসমূহ।

(iv) কৃষক আৰু কৃষিৰলগতজড়িতমহিলাসকলেকৃষিক্ষেত্ৰতকৰাকৃষিকৰ্মসমূহ।

(v) কৃষিসজুঁলিসম্বন্ধীয় Custom Hiring Centres (CHC) সমূহ।

(vi) সাৰ, কীটনাশক আৰু বীজউৎপাদন আৰু পেকেটকৰাএকক (unit)সমূহ।

(vii) শস্যচপোৱা আৰু গুটিসিচাঁৰ লগত জড়িত কৃষি সজুঁলি সমূহ যেনে Combine Harvester ৰ লগতেঅন্যান্যকৃষি আৰু উদ্যান শস্যসম্বন্ধীয় কৃষিসজুঁলিসমূহ ৰাজ্যৰ ভিতৰতে অথবা আন্তঃৰাজ্যিক আদান-প্ৰদান।

viii) কৃষি ক্ষেত্ৰত ব্যৱহৃত বিভিন্ন সা-সঁজুলি, যন্ত্ৰ পাতি আৰু ইয়াৰ বিভিন্ন অংশ সমূহ, এইবোৰৰ মেৰামতি কৰা দোকান (লগতে এইবোৰৰ যোগান) সমূহ

(ix)ৰাষ্ট্ৰীয় ঘাইপথ আৰু প্ৰধানকৈ তেল ডিপো সমূহত ট্ৰাক মেৰামতি কৰা দোকান।

(x)চাহ উদ্যোগ লগতে এইবোৰৰ ইয়াৰ বাগিছা সমূহ শতকৰা ৫০ ভাগ শ্ৰমিকৰ সৈতে।

ওপৰত উল্লেখিত (i) পৰা(vii) নিয়মাৱলী ভাৰত চৰকাৰৰ গৃহ বিভাগৰ vide memo No. 40-3/2020-DM-1(A)dated 24th , 25th and 27th March 2020, additions to clauses2, 4, 5 and 6 in exceptions আৰু নিয়মাৱলী (viii) ৰ পৰা (x) লৈ as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA order No. 40-3/2020-DM-1(A) dated 24.03.2020.

ভাৰত চৰকাৰৰ নির্দেশনা অনুযায়ী ওপৰত উল্লেখিত অব্যাহতি সমূহ কৃষি আৰু কৃষি ক্ষেত্ৰত কৰিব লগীয়া বিভিন্ন কার্যাৱলী সুচাৰু ৰূপে কৰাত সহায় কৰাৰ লগতে প্রয়োজনীয় সামগ্রী সমূহ ল'ক ডাউনৰ সময়ত পোৱাটো নিশ্চিত কৰিব।

এইঅব্যাহতিসমূহেকৃষিসম্বন্ধীয়কামকাজবোৰসূচলকৰাৰফলতঅত্যাৱশ্যকীয়কৃষিজাতসামগ্রীৰযোগাননিশ্চিতকৰণসম্ভৱহ'ব আৰু লগতেকৃষকসকলেতলাবন্ধৰসময়ছোৱাতকৃষিসম্বন্ধীয়কোনোঅসুবিধাৰসন্মুখীননহব। তলাবন্ধৰএইসময়ছোৱাতএইসেৱাসমূহকার্য্যকাৰীকৰিৰাখিবলৈমন্ত্রালয়সমূহলৈ আৰু ৰাজ্যসমূহলৈ প্রয়োজনীয় নির্দেশনা জাৰি কৰাহৈছে। (কৃষি আৰু কৃষককল্যাণ মন্ত্রালয়ৰ অনুৰোধ মর্মে গৃহ মন্ত্রালয়ৰ নির্দেশনাঅনুযায়ীভাৰতচৰকাৰৰVide No-40-3/2020-DM-1(A) dated-24$^{th}$ , 25$^{th}$ and 27$^{th}$ March, 2020 additions to clauses 2,4,5 and 6অব্যাহতিপ্রদানকৰিছে)।

ভাৰত চৰকাৰৰ নীতি নির্দেশনাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি বিভিন্ন মন্ত্রালয় তথা ৰাজ্য চৰকাৰৰ বিভাগসমূহে কৃষি আৰু কৃষি সম্বন্ধীয় কাম কাজ সমূহ নিয়মীয়াকৈ চলি থকাত সুবিধাহ'বৰ বাবে কার্য্যকাৰী নিদের্শনা উলিয়াইছে।

## কৃষকৰ বাবে পৰামর্শৱলীঃ

### শস্যচপোৱা আৰু মৰণামৰাঃ

এইCOVID-19 ৰ সংক্রমণৰ সময়তে ৰবি শস্য চপোৱাৰ সময় আহি পৰিছে। যিহেতু কৃষি কার্য্য সময়ৰ ওপৰত নির্ভৰশীল সেয়ে শস্য চপোৱা আৰু কৃষি উৎপাদন সামগ্রীৰ আদান-প্রদান অনিবার্য্য। যিকিনহওক, কৃষকসকলে প্রতিৰোধমূলক ব্যৱস্থা লোৱা উচিত যাতে এই মহামাৰী সংক্রমণৰ পৰা নিজক নিৰাপদে ৰাখে। সাধাৰণভাৱে ল'বলগা প্রতিৰোধমূল কব্যৱস্থা সমূহৰ ভিতৰত হৈছেঃ সামাজিক দূৰত্ব বজাই ৰখা, চাবোনেৰে হাত ধুই থাকি ব্যক্তিগত পৰিস্কাৰ পৰিচ্ছন্নতা ৰক্ষা কৰা, মূখত 'মাস্ক' পৰিধান কৰা, সুৰক্ষিত আৰু কৃষি সজুঁলিসমূহ চাফা কৰি বীজানু মুক্ত কৰি ৰখা। কৃষি ক্ষেত্রত প্রতিটো খোজতে নিৰাপদ ব্যৱস্থা আৰু সামাজিক ব্যৱধান কর্ম্মী সকলে মানি চলাটো অতিজ ৰুৰী।

- কেইবাখনো উত্তৰাঞ্চল ৰাজ্যত ঘেহুঁ চপোৱাৰ সময় ওচৰ চাপিছে আৰু সেইৰাজ্যসমূহত Combine Harvester ৰ দ্বাৰা শস্য চপোৱা আৰু আন্তঃ আৰু ৰাজ্যৰ ভিতৰতেই য়াৰ আদান-প্রদানৰ অনুমতি প্রদান কৰা হৈছে। মেৰামতি, শস্য চপোৱা আদি কার্য্যৰ লগত জড়িতসকলে প্রতিৰোধ ব্যৱস্থা সমূহ মানি চলাটো বাঞ্চনীয়।
- সৰিয়হ হৈছে দ্বিতীয় অত্যাৱশ্যকীয় ৰবি শস্য যাৰ শস্য চপোৱা কাম চলি আছে আৰু য'ত শস্য চপোৱা ইতিমধ্যে হৈ গৈছে তাত মৰণা মৰা হৈ আছে।
- মচুৰ, গোমধান আৰু জলকীয়া শস্য চপোৱা চলি আছে আৰু বুটমাহৰ শস্য চপোৱা ক্ষীপ্রতাৰে ওচৰ চাপিছে।

- কুঁহিয়াৰশস্যচপোৱাৰএতিয়াভৰপুকসময় আৰু উত্তৰাঞ্চলতহাতেৰেশস্যৰোপনৰসময়।
- শস্যচপোৱাকার্য্যতবিশেষকৈশস্য, ফলমূল, শাক-পাচলি, গাখীৰ, কণী, মীনআদিতজড়িতসকলেপ্রতিৰোধমূলকসাৱধানতালোৱাউচিত। লগতেব্যক্তিগতপৰিস্কাৰ-পৰিচ্ছন্নতাঅৱলম্বনকৰিসামাজিকদূৰত্ববজাইৰখাটোবাঞ্চনীয়।
- হাতেৰেশস্যচপাওতেবাচিঙোতে, ৪-৫ ফুটদূৰত্বতশাৰীশাৰীকৈল'বলাগে আৰু এটাশাৰীতএজনএজনহ'বযাতেজড়িতকর্মীসকলেকামকৰোতেএটাপ্রয়োজনীয়দূৰত্ববজাইৰাখিবপাৰে।
- কৃষিকর্মতজড়িতসকলোৱেমূখত 'মাস্ক' পৰিধানকৰিব আৰু এটানির্দিষ্টসময়ৰমূৰে-মূৰেচাবোনেৰেহাতধোৱাতোনিশ্চিতকৰিব।
- জিৰণিলোৱাসময়ত, আহাৰখোৱাৰসময়ত, উৎপাদিতসামগ্রীসমূহসংগ্রহস্থলীলৈস্থানান্তৰকৰাৰসময়ত, সামগ্রীথোৱা আৰু নিয়াকার্য্যকৰোতেএজনৰপৰাআনজনৰমাজত ৩-৪ ফুটব্যৱধানৰদূৰত্ববজাইৰাখিব।
- কৃষিক্ষেত্রতএকেদিনাইবহুতমানুহজড়িতনাথাকিব।
- পৰিচিতলোককজড়িতকৰিবযদিসম্বৱহয়, পাৰিলেসন্দেহযুক্তবাবাহকহোৱাৰসন্দেহথকালোককৰকামতনলগাব।
- যিমানদূৰসম্বৱ, যন্ত্রৰদ্বাৰাকৃষিকর্মকৰাটোভাল আৰু একেবাৰেপ্রয়োজনীয়সংখ্যককর্মীহেনিয়োগকৰাউচিত।
- সকলোবোৰযন্ত্রসজুঁলিআৰম্ভণিতে আৰু কৃষিকর্মৰএটানির্দিষ্টসময়ৰব্যৱধানতবিজাণুমুক্তকৰিথাকিবলাগে। যাতায়তৰ বাবে প্রয়োজনীয়সকলোবোৰযানবাহন আৰু ব্যৱহাৰযুক্তবেগ (gunny bag) অথবাপেকেটথকাবস্তুবিজাণুমুক্তকৰিৰাখিবলাগে।
- উৎপাদিতসামগ্রীৰসংগ্রহ ৩-৪ ফুটব্যৱধানতখুবকমসংখ্যকৰদ্বাৰাকৰাউচিত আৰু কৃষিক্ষেত্রপ্রস্তুতকৰণতএজনবাদুজনকজড়িতকৰাউচিতযাতেতাতজনসমাগমকমহয়।
- গোমধান আৰু বাদামশস্যচপোৱাৰ বাবে ব্যৱহৃতকৃষিসজুঁলিসমূহ, বিশেষকৈযেতিয়াকৃষিসজুঁলিসমূহভাগবতৰাকৰিলোৱাহয়বা কৃষকৰ গোটেব্যৱহাৰকৰেতেনেক্ষেত্রতসেইসমূহভালদৰেচাফ-চিকুণকৰিবিজাণুমুক্তকৰিল'বলাগে।কৃষিসজুঁলিসমূহৰপ্রতিটোঅংশইযিবোৰকৃষকসকলসঘনেচুইথকাসেইঅংশসমূহচাবোনেৰেধুবলাগে।

## পামৰপৰাউৎপাদিতশস্যৰচপোৱাৰপিছৰব্যৱস্থাপনা, সংৰক্ষণ আৰু বিপননঃ

- খাদ্যশস্যশুকুৱা, মৰণামৰা, বাঁদিয়া, চাফাকৰা, পেকেটকৰাসময়তকৃষকসকলেমূখমণ্ডলতপ্রতিৰক্ষামূলকমূখা (মাস্ক) পিন্ধিবযাতেধুলিমাকতিসমূহনাক আৰু মূখৰজড়িয়তেসোমাবনোৱাৰে।
- চপোৱাৰপিছতখাদ্য-শস্যসমূহৰ'দতভালদৰেশুকুৱাইসংৰক্ষণৰব্যৱস্থাকৰাটোনিশ্চিতকৰিব। পোক-
  পতংগৰআক্রমণৰপৰাবীজখিনিবচাবলৈআগতেব্যৱহাৰকৰামৰাপাটৰবস্তাসমূহবীজসংৰক্ষণৰ বাবে পুণৰব্যৱহাৰকৰিবনালাগে। পুৰণাবস্তাসমূহ ৫ শতাংশনিমৰমিশ্রণতডুবাইৰাখৰপাছতহেবীজসংৰক্ষণৰকাৰণেব্যৱহাৰকৰিবলাগে।
- উৎপাদিতসামগ্রীসমূহকৃষকসকলৰলগতমজুতথকাবাপর্যাপ্তপৰিমাণেযোগানধৰামৰাপাটৰবস্তাসমূহতভৰাইস্বস্থানত/স্বগৃহতঅথবানিকটতমশীতলীকৰণকক্ষত, গুদামতসংৰক্ষণৰকাৰণেকৃষকসকলেআগতীয়াকৈযথোচিতসর্তকতাঅবলম্বনকৰিব।
- খাদ্যসামগ্রীসমূহবাহনতউঠোৱা, পৰিবহনকৰাআৰু বজাৰতনমোৱালৈকেবাতাৰপিছতবিপননতভাগলওতেব্যক্তিগতসুৰক্ষাৰব্যৱস্থাকৰিবতথাসাবধান তালব।
- বীজউৎপাদনকাৰীকৃষকসকলকউপযুক্তনথিপত্রৰব্যৱস্থাকৰিবীজসমূহবীজক্রয়কাৰীকোম্পানীসমূহলৈলৈযাবলৈঅনুমতিপ্রদানকৰাহৈছে আৰু লগতেটকাপইছালেনদেনৰসময়তসর্তকতাঅবলম্বনৰ বাবে পৰামর্শদিয়াহৈছে।
- বীজউৎপাদনপ্রক্রিয়া (Processing) আৰুপেকেজিংব্যৱস্থাৰলগতেবীজউৎপাদনকাৰীৰাজ্যৰপৰাবীজক্রয়কাৰীশস্যউৎপাদকৰাজ্যলৈবীজৰসৰবৰাহঅতিপ্রয়োজনীয়।
- শাক-পাচলিযেনে- বিলাহী, ফুলকবি, সেউজীয়াশাক-পাচলি, তিয়ঁহআদিৰবিপননৰক্ষেত্রতবিশেষসর্তকতাঅবলম্বনকৰাউচিত।

## পথাৰশস্যৰক্ষেত্রতলবলগীয়াসাবধানতাঃ

- দেখাগৈছেযেবেছিভাগঘেঁহুউৎপাদনকাৰীঅঞ্চলৰতাপমাত্রাএতিয়াওদীর্ঘম্যাদীগড়উষ্ণতাৰতলতআছে আৰু ঠাৰৰকৰাহৈছেযেঘেঁহুচপোৱাৰসময় ১০-১৫ দিনবিলম্বহবপাৰে (১০ এপিলৰপিছত), সেয়েহেকৃষকসকলেঅর্থনৈতিকক্ষতিনোহোৱাকৈঘেঁহুচপোৱাৰকাম ২০ এপিললৈকেকৰিবপাৰিব।
- দক্ষিণভাৰতৰৰাজ্যসমূহতশীতকালীনধানত neck blast ৰোগৰকাৰণেবীজপৈনতহোৱাপ্রক্রিয়াক্ষতিগ্রস্হহোৱাদেখাগৈছে। অনুমোদিতভেঁকুৰনাশকস্প্রেকৰাৰক্ষেত্রতবিশেষসর্তকতাঅবলম্বনকৰাঅত্যন্তজৰুৰী।
- ধানচপোৱাসময়তঅনাকাংক্ষিতবৃষ্টিপাতৰ বাবে হবপৰাবীজঅংকুৰণৰোধকৰিবৰকাৰণে ৫ শতাংশনিমখৰমিশ্রণস্প্রেকৰিবলাগে।

- উদ্দ্যানশস্যৰ (যেনে- আম) ফললগাসময়তকৰাপৰিচর্যাযেনে- পোষকমৌলস্প্রেকৰা আৰু শস্যৰক্ষাৰক্ষেত্রতসাৱধানতালোৱাঅত্যন্তজৰুৰীযেনেৰাসায়নিককীটনাশকৰব্যৱহাৰ, প্রয়োগ আৰু ইয়াৰলগতজড়িতসামগ্রীসমূহৰধোৱাপঁখলাইত্যাদি।
- শালিধানচপোৱাৰপিছতকৰাগ্রীষ্মকালিনমাহজাতীয়শস্যপ্রধানব্যাধি ‘হালধীয়ামোজাইকভাইৰাছৰোগ’ ৰ ক্ষেত্রতলবলগীয়াশস্যৰক্ষাৰক্ষেত্রতযথাযথসুৰক্ষাব্যৱস্থালবলাগে।

**BENGALI**

# ভারত সরকারের সুপারিশ কৃত করোনা ভাইরাস (কোভিড- ১৯) সংক্রমণের জন্য দেশব্যাপী লকডাউন এর সময়ে কৃষকদের জন্য কৃষিকার্যের নির্দেশাবলী :

দেশব্যাপী লকডাউনের সময় কৃষি ও কৃষি সংক্রান্ত কার্যকলাপ যাতে নির্বিঘ্নে ও নিয়মিতভাবে করা যায় সেইজন্য ভারত সরকার কয়েকটি নির্দেশ জারী করেছে। কৃষকদের সুবিধার জন্য সেই সমস্ত নির্দেশাবলী এখানে দেওয়া হল -

**দেশব্যাপী লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা কৃষি ও কৃষি সম্পর্কিত কাজকর্ম:**

১. পশু হাসপাতালের কাজকর্ম।
২. কৃষিপণ্য ক্রয় ও ন্যুনতম সমর্থন মূল্যে সংশ্লিষ্ট কাজে যুক্ত সংস্থার কাজকর্ম।
৩. কৃষিজাত পণ্যের বাজার কমিটি (এপিএমসি) বা রাজ্য সরকার অনুমোদিত কৃষিবাজার বা মাণ্ডিসমূহ।
৪. কৃষক বা কৃষি শ্রমিক দ্বারা জমিতে বিভিন্ন কৃষিকাজ।
৫. কৃষিযন্ত্রপাতি ভাড়া দেওয়ার সংস্থার (কাস্টম হায়ারিং সেন্টার) কাজকর্ম।
৬. সার/কীটনাশক/বীজ উৎপাদনকারী সংস্থার উৎপাদন ও প্যাকেজিং এর কাজকর্ম।
৭. শস্য বোনা বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত যন্ত্রসামগ্রী যেমন কম্বাইন্ড হারভেস্টার এবং অন্য যন্ত্রপাতির আন্তঃরাজ্য ও রাজ্যের মধ্যে বিভিন্ন জায়গায় যাতায়াত।
৮. কৃষিকার্যের যন্ত্রপাতির দোকান, প্রয়োজনীয় মেশিনপত্রের আদান প্রদান বা সারানোর দোকান অবশ্যই খোলা রাখা যাবে।
৯. হাইওয়েতে পেট্রোল পাম্প বা তৎসংলগ্ন গাড়ি সারানোর দোকান খোলা রাখা যাবে।
১০. চা বাগানে (পাতা তোলা বা গাছ বসানো) কাজ নিয়মিতভাবে করা যাবে, তবে কখনোই সর্বাধিক ৫০ শতাংশের বেশি শ্রমিক কাজ করতে পারবে না।

লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা এই সমস্ত বিভাগ দেশের কৃষিকার্যের দৈনন্দিন কাজকর্মকে বাধাহীনভাবে এগিয়ে নিয়ে যেতে সাহায্য করবে যা নিত্য প্রয়োজনীয় কৃষিপণ্যের যোগানকে মসৃণ রাখবে এবং লকডাউনের সময়ে কৃষকরা কৃষিকাজে কোনরকম অসুবিধার সম্মুখীন হবে না। এই নির্দেশ যাতে সঠিকভাবে কার্যকরী হয় তার জন্য প্রয়োজনীয় নির্দেশ ইতিমধ্যেই সমস্ত রাজ্য সরকার বা কেন্দ্র শাসিত অঞ্চলের সংশ্লিষ্ট মন্ত্রক বা দপ্তরকে জানানো হয়েছে।

(*স্বরাষ্ট্র মন্ত্রক, ভারত সরকারের নির্দেশনামা: **40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 & 6 in exceptions** এবং ৮থেকে ১০ নং পয়েন্ট গুলি ভারত সরকারের স্বরাষ্ট্র মন্ত্রকের নির্দেশনামার(**40-3/2020-DM-I (A) dated 24.03.2020**) চতুর্থ সংশোধনী অনুযায়ী লিপিবদ্ধ)।

ভারত সরকারের নীতি নির্দেশিকা অনুযায়ী রাজ্য সরকারগুলির বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তর থেকে কিছু নির্দেশাবলী জারী করা হয়েছে যাতে কৃষি ও সংশ্লিষ্ট কাজকর্ম বাধাহীন ও নিরবচ্ছিন্নভাবে হয়।

**কৃষকদের জন্য পরামর্শ**

**ফসল কাটা, মাড়াই, ঝাড়াই ও সংগ্রহ**

করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) নামক মহামারীর ব্যাপক সংক্রমণ এমন সময়ে দেখা দিয়েছে যখন রবি মরশুমের বিভিন্ন ফসল ঘরে তোলার সময়। মাঠ থেকে এই রবিশস্য সংগ্রহ ও তা ঝাড়াই মাড়াই করে বাজারজাত করার কাজ ইত্যাদি পুরোপুরি সময় নির্ধারিত ব্যাপার।এই বিপর্যয়ের সময়ে দাঁড়িয়ে কৃষকদেরকে সবরকমের সতর্কতা ও সাবধানতা নিতেই হবে যাতে করে এই মহামারী ছড়িয়ে না পড়ে। এর জন্য কিছু সাধারণ ও সহজ ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে যেমন

যে কোন সাবান দিয়ে অন্তত ২০ সেকেন্ড ধরে হাত ধোয়া, ৬০-৭০ শতাংশ অ্যালকোহল দ্রবণ দিয়ে হাত ও যন্ত্রপাতি মুছে নেওয়া, মুখে মাস্ক পরা, সুরক্ষা মূলক পোশাক পরা, একে অপরের থেকে নির্ধারিত নিরাপদ দূরত্ব (১- ২ মিটার) বজায় রাখা এবং সঠিকভাবে কৃষি যন্ত্রপাতি পরিষ্কার ও পরিচ্ছন্ন রাখা। কৃষকরা ও কৃষি শ্রমিকগণ সমস্তরকম কৃষিকাজের প্রতিটি ধাপেই এই সতর্কতামূলক আচরণবিধি ও নিরাপদ দূরত্ব অতি অবশ্যই মেনে চলবেন।

1. দেশের উত্তরভাগের রাজ্যগুলিতে এখন গম কাটার সময় আসছে এবং এরজন্য কম্বাইন্ড হারভেস্টারের রাজ্যের মধ্যে ও রাজ্যের বাইরে যাতায়াতকে লকডাউনের আওতা থেকে বাদ রাখা হয়েছে ও এর জন্য প্রয়োজনীয় অনুমতিও দেওয়া হয়েছে। কিন্তু এই যন্ত্রপাতির রক্ষণাবেক্ষণ, সারানো বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত কর্মীদের জন্য আবশ্যিক সতর্কতামূলক সুরক্ষাব্যবস্থা সুনিশ্চিত করতে হবে।
2. রবি মরশুমে সরিষা হল দ্বিতীয় গুরুত্বপূর্ণ ফসল যা কৃষকরা এখন হয় মাঠ থেকে ফসল তুলছেন বা ঝাড়াইয়ের কাজে ব্যস্ত আছেন।
3. জমি থেকে মুসুর, ভুট্টা এবং লঙ্কা তোলার কাজ চলছে এবং ছোলাও খুব শীঘ্রই সংগ্রহ করা হবে।
4. মাঠ থেকে আখ কাটা এই মুহূর্তে পুরোদমে চলছে এবং উত্তরের রাজ্যগুলিতে আখ লাগানোর কাজও শুরু হয়ে গেছে।
5. ফসল তোলার সময় এবং তার আগে ও পরে যথোপযুক্তভাবে ব্যক্তিগত পরিচ্ছন্নতা এবং সামাজিক দূরত্বের বিষয়গুলি পালন করতে হবে।
6. যেসব জায়গায় হাত দিয়ে মাঠের ফসল তোলা ইত্যাদি কাজগুলি করতে হবে সেখানে এইসমস্ত কাজগুলি এমনভাবে করতে হবে যাতে কর্মরত প্রতিটি মানুষের মাঝখানে ৪ - ৫ ফুটের নিরাপদ দূরত্ব বজায় থাকে। এক্ষেত্রে ৪ - ৫ ফুট দূরে দূরে কয়েকটি সারির ফসল কাটার দায়িত্ব এক একজনকে দেওয়া যেতে পারে যাতে কৃষক বা কৃষি শ্রমিকদের মধ্যে যথেষ্ট দূরত্ব বজায় থাকে।
7. মাঠে কর্মরত প্রতিটি মানুষের উচিত জীবাণুপ্রতিরোধী মুখোশ পরে কাজ করা এবং বারেবারে সাবান দিয়ে নিজেদের হাত ধুয়ে নেওয়া।
8. মাঠে কাজের ফাঁকে বিশ্রাম নেওয়া, খাবার খাওয়া এবং তারপরে ফসল নিয়ে যাওয়ার সময়-সবক্ষেত্রেই উচিৎ পারস্পরিক দূরত্ব নিরাপদ সীমার মধ্যে (৪ - ৫ ফুট) রাখা।
9. মাঠে কাজ করার সময় যতটা সম্ভব ছড়িয়ে ছিটিয়ে কাজ করতে হবে। একই দিনে অধিক সংখ্যক লোককে কাজে নিযুক্ত না করাই ভালো।
10. এই সময়ে যথাসম্ভব পরিচিত মানুষজনকেই মাঠের কাজে নিযুক্ত করা ভালো, এতে করে সম্ভাব্য করোনা ভাইরাস জীবাণু বহনকারী কোন মানুষের থেকে মাঠে নিযুক্ত অন্যান্য লোকের মধ্যে এই রোগ ছড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা এড়ানো যাবে।
11. হাতে করে ফসল কাটার চাইতে যন্ত্রের সাহায্যে ফসলকাটাকে অগ্রাধিকার দিতে হবে। যন্ত্র চালানোর জন্য যেকজন লোকের প্রয়োজন কেবলমাত্র সে'কজনকেই এই কাজে লাগাতে হবে।
12. ফসল কাটার যন্ত্রগুলিকে প্রবেশপথে নিয়মিতভাবে জীবাণুমুক্ত করতে হবে। ফসল বা উৎপাদন সামগ্রী বহন করার গাড়ি এবং বস্তাবন্দী করার যন্ত্র, বস্তা ও অন্যান্য প্যাকেজিং সামগ্রীও জীবাণুমুক্ত করতে হবে।ফসল তোলার সময় তা ৪ - ৫ দূরে দূরে ছোট ছোট স্তূপে করে এক একটি স্তূপের দায়িত্ব ১ - ২ জনকে দেওয়া যেতে পারে।
13. ভুট্টা ও চীনাবাদাম ঝাড়নের যন্ত্রগুলিকে বিশেষ করে যেগুলি বিভিন্ন কৃষকগোষ্ঠী দ্বারা ব্যবহৃত হয় সেগুলিকে উপযুক্তভাবে পরিষ্কার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। মেশিনের যেসমস্ত যন্ত্রাংশ বারেবারে হাতদিয়ে ব্যবহার করা হয় সেগুলিকে সাবানজল দিয়ে পরিষ্কার করতে হবে।

**ফসলতোলা, গুদামজাতকরণ এবংবাজারজাত করার সময়ে সতর্কতা**

1. কৃষিখামারে ফসল শুকানো, ঝাড়াই, মাড়াই, পরিষ্কার করা এবং প্যাকেজিং এর বিভিন্ন স্তরে যাতে করে শ্বাসনালীতে ধুলো এবং এরোসল প্রবেশ করে শ্বাসকষ্ট ঘটাতে না পারে সেজন্য মুখে মাস্ক ব্যবহার করতে হবে।
2. শস্যের গুদামজাত করার আগে সেগুলিকে ভালোভাবে শুকিয়ে নেওয়া দরকার। গুদামের পোকা যাতে আক্রমণ না করে সেজন্য পুরানো বস্তা ব্যবহার করা উচিৎ নয়। চটের বস্তাকে ৫ শতাংশ নিম দ্রবণে ডুবিয়ে শুকিয়ে নিয়ে ব্যবহার করলে ভালো হয়।
3. ভবিষ্যতে ফসলের ভালো দাম পাবার সম্ভাবনাকে সুনিশ্চিত করতে এবং খামারে উৎপাদিত শস্যকে যাতে পূর্ণমাত্রায় গুদামজাত করা যায় সেজন্য পর্যাপ্ত সংখ্যায় চটের বস্তা মজুত আছে কিনা তা আগেভাগেই দেখতে হবে।
4. বাজার/মান্ডিতে বিক্রি করার সময় যখন ফসল গাড়িতে তোলা হবে এবং নিয়ে যাওয়া হবে, তখন উপযুক্তভাবে ব্যক্তিগতস্তরে জীবাণুপ্রতিরোধী নিরাপত্তা ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
5. যে সমস্ত কৃষকরা বীজ উৎপাদন করছেন তারা বীজ বিক্রয়ের জন্য উপযুক্ত নথিপত্রসহ বীজ বিক্রেতা কোম্পানিতে নিয়ে যেতে পারবেন। বিক্রয়মূল্য গ্রহণের সময়ও তাদের উপযুক্ত সতর্কতামূলক ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
6. বীজ উৎপাদনকারী রাজ্যগুলি থেকে বীজ প্রক্রিয়াকরণ এবং প্যাকেজিং করে বীজব্যবহারকারী রাজ্যগুলিতে পরিবহন হওয়া অত্যন্ত প্রয়োজনীয় যাতে করে পরবর্তী খরিফ মরশুমে বীজের যোগান অক্ষুণ্ণ থাকে, যেমন সবুজ গোখাদ্যের বীজ যা উত্তরের রাজ্যগুলিতে এপ্রিল মাসে বোনা হয় তা দক্ষিণের রাজ্যগুলি থেকেই আসে।
7. মাঠ থেকে বিভিন্ন শাকসবজি যেমন টম্যাটো, ফুলকপি, বিভিন্ন ধরণের শাক, শসা, লাউ, কুমড়া ইত্যাদি সরাসরি বাজারজাত করার জন্য ব্যবস্থাগ্রহণ ও সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।

**বর্তমানে মাঠে থাকা ফসলসমূহ**

1. যে সমস্ত এলাকায় গম চাষ হয় সেখানকার তাপমাত্রা দীর্ঘমেয়াদী গড় তাপমাত্রার থেকে এখনও বেশ অনেকটা নিচে। যার ফলে গম কাটা ১০-১৫ দিন পিছিয়ে এপ্রিল মাসের ২০ তারিখ পর্যন্ত করলেও ফসলের উৎপাদন খুব বেশি ক্ষতিগ্রস্থ হবে না। এতে কৃষকরা ঝাড়াই-মাড়াই করে বাজারজাত করার জন্য বাড়তি অনেকটা সময় পাবেন।
2. দক্ষিণ ভারতের বিভিন্ন রাজ্যে মাঠের বোরো ধান এখন দানার পুষ্টি দশায় আছে। এইসময় ঝলসা (নেক ব্লাস্ট) রোগের আক্রমণের সম্ভাবনা দেখা দিতে পারে। এরজন্য বিশেষজ্ঞদের সুপারিশ করা নির্দিষ্ট ছত্রাকনাশক যেমন ট্রায়াজোল বা স্ট্রবিলিউরিন স্প্রে করা যেতে পারে।
3. পাকা ধান মাঠে থাকা অবস্থায় যদি অসময়ে বৃষ্টি হয় তাহলে গাছেই দানার অঙ্কুরোদগম (কল হওয়া) আটকাতে ৫ শতাংশ লবণজল স্প্রে করা যেতে পারে।
4. আম গাছে এখন মুকুল থেকে গুটি ধরছে। এই অবস্থায় স্প্রে করে সার বা শস্য সুরক্ষার জন্য কীটনাশক ও ছত্রাকনাশক প্রয়োগ করার সময় বিভিন্ন সামগ্রী বহন করা, মেশানো এবং যন্ত্রপাতি ধুয়ে পরিষ্কার করার সময় প্রয়োজনীয় সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।
5. গ্রীষ্মকালীন ডালশস্য যেমন মুগ ইত্যাদিতে সাদা মাছির আক্রমণ ও তার ফলে হলুদ মোজেয়িক ভাইরাস রোগ হতে পারে। এক্ষেত্রেও নিজেদের সুরক্ষা সাবধানতা অবলম্বন করে প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।

**GUJARATI**

## COVID-19 ને કારણે લોકડાઉન સમયગાળા દરમિયાન ખેડુતો અને ખેતી ક્ષેત્ર માટે કૃષિ-સલાહ

ભારત સરકારે માર્ગદર્શિકા* બહાર પાડી છે જેથી કૃષિ અને તેનાથી જોડાયેલા ક્ષેત્રની મહત્વપૂર્ણ પ્રવૃતિઓ નિર્ધારિત સાવચેતીઓને ધ્યાનમાં રાખીને ચાલુ રહે. ખેડૂતોના ફાયદા માટે, અહીં તેનો સારાંશ સૂચિબદ્ધ કરવામાં આવેલ છે.

### લૉકડાઉનમાંથી મુક્ત રાખવામાં આવેલ કૃષિ અને સંલગ્ન પ્રવૃત્તિઓ*

1. પશુ ચિકિત્સાલયો
2. એમએસપી (મિનિમમ સપોર્ટ પ્રાઈઝ) કામગીરી સહિતની  કૃષિ ઉત્પાદનોની ખરીદીમાં રોકાયેલ એજન્સીઓ
3. ખેતીવાડી ઉત્પન્ન બજાર સમિતિ દ્વારા સંચાલિત અથવા રાજ્ય સરકાર દ્વારા સૂચિત 'મંડીઓ'
4. ખેતરમાં ખેડુતો અને ખેત કામદારો / મજૂરો દ્વારા થતી ખેત કામગીરી
5. ફાર્મ મશીનરી સંબંધિત કસ્ટમ હાયરિંગ સેન્ટર્સ (સીએચસી)
6. ખાતર, જંતુનાશકો અને બીજના ઉત્પાદન અને પેકેજિંગ એકમો
7. કૃષિ અને બાગાયતના કાપણી અને વાવણી સંબંધિત કમ્બાઇંડ હાર્વેસ્ટર તથા અન્ય મશીનો / સાધનોની રાજ્ય તથા આંતર રાજ્ય અવર-જવર
8. કૃષિ મશીનરી, તેના સ્પેરપાર્ટ્સ (તેની સપ્લાય ચેઇન સહિત) અને મરામત / રિપેરિંગ ની દુકાનો ખુલ્લી રહેશે
9. હાઈવે પર ટ્રક સમારકામ માટેની દુકાનો, ખાસ કરીને પેટ્રોલ/ ડીઝલ પંપ પર
10. ચા ઉદ્યોગ, વાવેતર સહિત વધુમાં વધુ 50% કામદારો સાથે

*ક્રમ (૧ થી ૭) ભારત સરકારના ગૃહ મંત્રાલયની માર્ગદર્શિકા No.40-3/2020-DM-I(A) તારીખ ૨૪, ૨૫ અને ૨૭ માર્ચ ૨૦૨૦ની કલમ ૨, ૪, ૫ અને ૬ ના અપવાદ ના ઉમેરા સાથે તથા ક્રમ (૮ થી ૧૦) તારીખ ૨૪.૩.૨૦૨૦ના  એમ.એચ.એ.(ગૃહ મંત્રાલય) ઓર્ડર No.40-3/2020-DM-I(A) સાથે જોડાયેલી માર્ગદર્શિકાના પરિશિસ્ટ ક્રમાંક ૪ મુજબ.

આ છૂટ  આવશ્યક પુરવઠો સુનિશ્ચિત થાય તે હેતુથી કૃષિ અને ખેતીને લગતી પ્રવૃત્તિઓ કોઈ પણ અવરોધ વિના ચાલુ રહે અને ખેડૂતોને તાળાબંધી (લોક ડાઉન) દરમ્યાન મુશ્કેલી ન પડે તે માટે મદદરૂપ થશે.

ભારત સરકારના નીતિ નિર્દેશોના આધારે વિવિધ મંત્રાલયો / રાજ્ય સરકારોના વિભાગોએ કૃષિ અને સંલગ્ન ક્ષેત્રોને લગતી પ્રવૃત્તિઓ ચાલુ રાખવા માટે અમલીકરણ માર્ગદર્શિકા જારી કરેલ છે.

## ખેડુતો માટે સલાહ

### પાકની કાપણી અને લણણી

COVID-19 ફેલાવાના ભય વચ્ચે, રવી પાકો પરિપક્વતાની નજીક આવી રહ્યા છે. કૃષિ કાર્યો ની સમય સીમા જાળવવી જરૂરી હોવાથી પાકોની કાપણી તથા તે ઉત્પાદનોને બજારમાં પહોચાડવા સુધીના તમામ કાર્યો સમયસર થાય તે અનિવાર્ય છે. આમ છતાં, ખેડુતોએ આ રોગના ફેલાવાને રોકવા માટે લેવામાં આવતી સાવચેતી અને સલામતીનાં પગલાઓનું પાલન કરવું જરૂરી છે .સરળ પગલાંમાં સામાજિક અંતર, સાબુથી હાથ ધોવા, વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા જાળવવી, ચહેરા પર માસ્ક પહેરવો, રક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા તથા સાધનો અને મશીનરીની સફાઇ અગત્યના છે. ખેત કામગીરીની સંપૂર્ણ પ્રક્રિયામાં પ્રત્યેક પળે કાર્યકરો સલામતીનાં પગલાં અને સામાજિક અંતરનું પાલન કરે તે ખૂબ જરૂરી છે.

- ઉત્તરના ઘણા રાજ્યોમાં ઘઉંની લણણી કંબાઈન્ડ હાર્વેસ્ટર (સંયુક્ત લણણી કરનાર મશીન) દ્વારા થઈ રહી છે અને તેમની રાજ્યની અંદર અને આંતર રાજ્ય અવર-જવરને મંજૂરી આપવામાં આવી છે. સમારકામ, જાળવણી અને લણણી કામગીરીમાં રોકાયેલા કામદારોની સલામતી અને સાવચેતીનાં પગલાં લેવાની તકેદારી અવશ્ય રાખવી.
- રાઈ (રાયડો / સરસવ) બીજો મહત્વનો રવિ પાક છે. તેની ખેત મજૂરો દ્વારા કાપણીચાલી રહી છે તથા જ્યાં કાપણી થઈ ગઈ છે ત્યાં લણણી / થ્રેશિંગ થવાનું છે.
- મસૂર, મકાઈ અને મરચાંની ખેતી ચાલુ છે અને ચણાનો પાક ઝડપથી પરિપક્વ થઈ રહ્યો છે.
- શેરડીની કાપણી ટોચ પર છે અને ઉત્તરના રાજ્યોમાં ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે વાવેતર માટેનો પણ આ સમય છે.
- ખેતી પાકો, ફળો, શાકભાજી ની કાપણી/ લણણી તથા મરઘાં પાલન (ઇંડા) અને માછલી પાલન (માછીમારી) જેવા કાર્યોમાં રોકાયેલ તમામ કાર્યકરો કામની શરૂઆત, કામ દરમ્યાન તથા કાર્ય પુર્ણ થયા બાદ વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા અને સામાજિક અંતરની તકેદારી અવશ્ય લે તે જરૂરી છે.
- ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે કરવામાં આવતા કાપણી અને લણણી જેવા કર્યો માટે ૪ થી ૫ ફૂટનું અંતર રહે તેવી રીતે રેખાઓ દોરીને દરેક કાર્યકર / ખેત મજૂરને વ્યક્તિગત રેખાઓમાં રહી કાર્ય કરવું. આવી રીતે કાર્ય કરનાર મજૂરો / કાર્યકરો વચ્ચે યોગ્ય વ્યક્તિગત અંતર સુનિશ્ચિત કરી શકાશે.
- કાર્યમાં રોકાયેલા તમામ વ્યક્તિઓએ માસ્કનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ અને યોગ્ય સમયાંતરે સાબુથી હાથ ધોવાનું સુનિશ્ચિત કરવું જોઈએ.
- કાર્ય દરમ્યાન આરામ કરતાં, ભોજન કરતાં, ખેત ઉત્પાદનના સ્થળાંતર તથા તે માટે ભરતા / ઉતારતા (લોડીંગ / અનલોડીંગ) સમયે વ્યક્તિગત ત્રણ (૩) થી ચાર (૪) ફૂટનું અંતર જાળવવું જરૂરી છે.
- જો શક્ય હોય તો ખેત કાર્યોને નાના નાના સમયાંતરે કરવા અને એકે જ દિવસે વધુ સંખ્યામાં વ્યક્તિઓને રોકવાનું ટાળવું.
- ખેત કાર્યો દરમિયાન કોઈ શંકાસ્પદ અથવા સંભવિત વાહકના પ્રવેશને ટાળવા માટે શક્ય ત્યાં સુધી વાજબી તપાસ પછી ફક્ત પરિચિત વ્યક્તિઓને જ કાર્યો માટે રોકવા.
- જ્યાં શક્ય હોય ત્યાં મેન્યુઅલ કરતાં યાંત્રિક કામગીરીને વધુ પસંદ કરો. ફક્ત જરૂરી સંખ્યામાં જ વ્યક્તિઓને મશીનથી કામ કરવા માટે મંજૂરી આપો.

- મશીનને ખેતર પર લાવતા સાથે જ ઉપયોગમાં લેતા પહેલા તથા નિયમિત સમયાંતરે સફાઈ કરી જંતુરહિત કરવા જોઈએ. તમામ પરિવહન વાહનો, શણના કોથળા અથવા અન્ય પેકેજિંગ સામગ્રીને પણ સ્વચ્છ / જંતુરહિત કરવી જોઈએ.
- લણણી કરેલ ખેત ઉત્પાદનોને 3 – 4 ફૂટના અંતરે નાના ઢગલાઓમાં ભેગું કરવું અને ભીડને ટાળવા ખેત કક્ષાએ તેના પ્રોસેસિંગ માટે 1 થી 2 વ્યક્તિ/ ઢગલા પ્રમાણે કાર્ય સોંપવું.
- ખાસ કરીને જ્યારે ખેડૂત જૂથો દ્વારા મશીનો આપ-લે કરવામાં આવે છે અને તેનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે ત્યારે લણણી કરેલ મકાઈ અને મગફળી માટે વપરાતા થ્રેશર્સની યોગ્ય સ્વચ્છતા અને સફાઈ જાળવી રાખવી. મશીનના દરેક ભાગોને વારંવાર સાબુથી સ્વચ્છ કરવા સલાહભર્યું છે.

**લણણી બાદ, ખેત ઉત્પાદન સંગ્રહ અને ખેત પેદાશોનું માર્કેટિંગ**

- ખેત કક્ષાએ સૂકવણી, થ્રેશિંગ, સફાઈ, ગ્રેડિંગ અને પેકેજીંગ જેવી તમામ કામગીરી કરતી વખતે, રક્ષણાત્મક માસ્ક ચહેરા પર પહેરવાથી એરોસોલ્સ અને ધૂળના કણો દ્વારા થતી શ્વસનની મુશ્કેલીઓને રોકવા માટે મદદ મળી શકે છે.
- ખેતરમાં / ઘરમાં લણાયેલા અનાજ, બાજરી, કઠોળનો સંગ્રહ કરતા પહેલા યોગ્ય સૂકવણીની ખાતરી કરો અને જંતુના ઉપદ્રવને રોકવા માટે પાછલી ઋતુમાં વપરાયેલ શણના કોથળાંનો ફરીથી ઉપયોગ ન કરો. લીમડાના 5 % દ્રાવણમાં પલાળીને સુકાવેલ શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરો.
- ખેત પેદાશોના વધુ સારા ભાવ મેળવવા માટે ખેડુતોએ ખેતર પર પેદાશોને સંગ્રહવા માટે શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરવામાં પૂરતી કાળજી લેવી. પૂરતી સંખ્યામાં શણના કોથળાં નજીકના કોલ્ડ સ્ટોરેજ / ગોડાઉન / વેરહાઉસોમાં ઉપલબ્ધ છે.
- ખેત પેદાશોના લોડિંગ અને પરિવહન માટે અને માર્કેટ યાર્ડ્સ / હરાજી પ્લેટફોર્મ પર વેચાણમાં ભાગ લેતી વખતે વ્યક્તિગત સલામતીના પૂરતા પગલા લેવા.
- બીજ ઉત્પાદક ખેડૂતોને સહાયક દસ્તાવેજો સાથે બીજ કંપનીઓમાં પરિવહન કરવાની મંજૂરી છે. ચુકવણી પ્રાપ્ત કરતી વખતે સાવચેતીનું પાલન કરવું.
- બીજ પ્રોસેસિંગ / પેકેજિંગ અને બીજ ઉત્પાદક રાજ્યોથી બીજ ઉગાડતા રાજ્યો (દક્ષિણથી ઉત્તર) સુધી બીજનું પરિવહન ખરીફ ઋતુના પાકોનું વાવેતર સુનિશ્ચિત કરવા માટે ખૂબ જરૂરી છે. દા.ત. ઉત્તરના રાજ્યોમાં એપ્રિલમાં વાવણી માટે લીલા ઘાસચારાનું એસએસજી બીજ દક્ષિણના રાજ્યોમાંથી આવે છે
- ટામેટાં, કોબીજ, લીલા પાંદડાવાળા શાકભાજી, કાકડીઓ અને ખેતરોના અન્ય કાકડી જેવા શાકભાજીના સીધા માર્કેટિંગ / સપ્લાય માટે સાવચેતી રાખવી.

**ખેતરમાં ઉભેલા (સ્થાયી) ક્ષેત્ર પાક**

- ઘઉં ઉગાડનારા મોટાભાગના વિસ્તારોમાં તાપમાન હજી પણ લાંબા ગાળાના સરેરાશથી નીચુ છે અને ઘઉંના પાકની કાપણીને 10 એપ્રિલ પછી પણ ઓછામાં ઓછા 10-15 દિવસ વિલંબ થવાની સંભાવના છે, તેથી, ખેડુતો કોઈ નોંધપાત્ર નુકસાન કર્યા વિના ઘઉના પાકની કાપણી 20 એપ્રિલ સુધી લંબાવી શકે છે. આથી, ખરીદી અને તારીખોની ઘોષણા માટે તથા લોજિસ્ટિક્સ મેનેજ કરવા માટે પૂરતો સમય મળી રહેશે.

- દક્ષિણના રાજ્યોમાં રવિ ઋતુના ડાંગરના પાકમાં દાણા ભરાવાના પાકના તબક્કે ડાંગરમાં નેક બ્લાસ્ટના રોગને કારણે વ્યાપક અસર થયેલ છે. કરાર દ્વારા છંટકાવ કરનાર / ખેડુતો દ્વારા ભલામણ કરવામાં આવતા ફૂગનાશક દવાના છંટકાવ વખતે પૂરતી સાવચેતી રાખવી જોઈએ.
- ડાંગરની લણણીના તબક્કે કોઈ વાતાવરણીય વરસાદની સ્થિતિમાં, બીજ અંકુરણને રોકવા માટે 5% મીઠાના દ્રાવણનો છંટકાવ કરવો
- બાગાયતી પાકોમાં ફળ બેસવાના સમયે, દા. ત. કેરી, પોષક તત્ત્વોના સ્પ્રે અને પાક સંરક્ષણને લગતી ખેત કામગીરી હાથ ધરવામાં આવે ત્યારે ઈનપુટ્સના મિશ્રણ અને વપરાશ વખતે તથા વપરાશમાં લેવાતા ઉપકરણો ધોવા માટે પૂરતી સાવચેતી લેવી.
- ઉનાળુ કઠોળમાં, પીળા મોઝેક વાયરસના રોગને રોકવા માટે સફેદમાખીના વ્યવસ્થાપન સહિત સલામતીનાં યોગ્ય પગલાં લેવા.

**KANNADA**

# ಕೋವಿಡ್–19 ಸಂಧಿಗ್ಧ ಸಂದರ್ಭದ ಲಾಕ್‌ಡೌನ್ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದ ರೈತರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು ಹಾಗೂ ಸಲಹೆಗಳು

**ಕೊರೋನಾ ವೈರಾಸ್ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗವನ್ನು ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಮೂಲಕ ಹರಡದಿರಲು ಪಾಲಿಸಬೇಕಾದ ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕಾ ಕ್ರಮಗಳು**

1. ಕಾರ್ಮಿಕರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಒಂದು ಸಾಲಿನಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಸಾಲಿಗೆ 4–5 ಅಡಿ ಅಂತರ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಕೆಲಸಗಾರರಿಗೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕು, ಇದರಿಂದ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಅಂತರವನ್ನು ಇಬ್ಬರು ಕಾರ್ಮಿಕರ ನಡುವೆ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
2. ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತವಾಗಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಮುಖಗವಸನ್ನು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ಧರಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಸೋಪು ನೀರಿಂದ ಕೈಗಳನ್ನು ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
3. ವ್ಯಕ್ತಿಯಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ 3–4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವಾಗ, ಇಳಿಸುವಾಗ/ಹೊತ್ತೊಯ್ದು ಅಡಕಿಸುವಾಗ ಹೀಗೆ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲೂ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
4. ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಪರಿಚಯಸ್ಥ ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನಷ್ಟೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ವಿಚಾರಿಸಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಏಕೆಂದರೆ, ಅಪರಿಚಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ರೋಗಾಣು ವಾಹಕರಾಗಿರಬಹುದಾದ ಸಾಧ್ಯತೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ಆರೋಗ್ಯವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನಷ್ಟೆ ನಿಯೋಜಿಸಿ.
5. ಎಲ್ಲಾ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳು ಕಾರ್ಯಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುನ್ನು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಶುದ್ಧಗೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾಗಾಣ ವಾಹನಗಳು, ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳು ಅಥವಾ ಇನ್ನಾವುದೇ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅಡಕಗೊಳಿಸುವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳಿಂದ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
6. ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮತ್ತು ಶೇಖರಣಾ ಕೇಂದ್ರಗಳಲ್ಲಿ 5 ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಜನರು ಒಂದೆಡೆ ಇರಬಾರದು. ಎಲ್ಲಾ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ಶುಚಿತ್ವವನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
7. ಅಗತ್ಯವಿರುವಷ್ಟು ಮುಖಗವುಸುಗಳು/ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು/ಕೈತೋಳೆಯುವ ಸೋಪು ಮತ್ತು ನೀರು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
8. ಎಲ್ಲಾ ಕೃಷಿ ಪರಿಕರಗಳ ಅಂಗಡಿಗಳು ತೆರೆದಿರಬೇಕು. ಕೃಷಿಕರು ಈ ಅಂಗಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಬೀಜ, ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಪರಸ್ಪರ 4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
9. ಹಣ ಪಾವತಿಯನ್ನು POS ಯಂತ್ರದ ಮೂಲಕ ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ ಬಾರಿ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕದಿಂದ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಹಾಗೂ ಬಳಕೆದಾರರ ಕೈ ಅಥವಾ ಬೆರಳುಗಳನ್ನು ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
10. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳಾದ ಹಣ್ಣು ಮತ್ತು ತರಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸ್ಥಳಿಯ ಅಥವಾ ಹೊರ ಜಿಲ್ಲೆಗಳ/ರಾಜ್ಯಗಳ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗಾಗಿ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
11. ಕೃಷಿಕರು ತಮ್ಮ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳಿಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿಯೇ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
12. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳು ಮುಖಗವಸುಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಗೆ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಂಗ್ರಹ, ಅಡಕಗೊಳಿಸುವಾಗ ಹಾಗೂ ಸಾಗಾಟ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ನೀಡಿ ಅವರ ಸುರಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಕಾಪಾಡಬೇಕು.
13. ಸರ್ಕಾರದ ಆದೇಶದಂತೆ ತರಕಾರಿ ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಾಗಾಟ ಅನಿರ್ಬಂಧಿತವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಪೂರಕ ಸಹಾಯ ಮತ್ತು ಪರವಾನಗಿ ಪತ್ರಕ್ಕೆ ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತವನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
14. ರೈತ ಪರ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಶೇಖರಣೆ ಮತ್ತು ಮಾರಾಟಕ್ಕೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ.

**ಬೆಳಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸಲಹೆಗಳು:**

- ಹೈದರಾಬಾದ್ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಒಕ್ಕಣೆಗೆ ಬೇಕಾದ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಾಡಿಗೆ ನೀಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಒಳ/ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ ಸಾಗಾಟ ಮತ್ತು ಕಳುಹಿಸಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಬೇಸಿಗೆ ಭತ್ತವನ್ನು ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ನಂತರ ಸೂಕ್ತ ಕಳೆ ನಾಶಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು. ಪರ್ಯಾಯವಾಗಿ ಕೃಷಿಕರು ನೇರ ಭತ್ತ ಬಿತ್ತನೆಯನ್ನು ಡ್ರಮ್ ಸೀಡರ್ ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ಇದರಿಂದ ಕೂಲಿಕಾರರ ಸಮಸ್ಯೆ ಹಾಗೂ ಖರ್ಚನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯ.
- ಇನ್ನು ಮುಂಬರುವ ಕೆಲವೇ ವಾರಗಳಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಶೇಂಗಾ ಕೊಯ್ಲು ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಲಿದೆ. ಕೃಷಿಕರು ಎಷ್ಟು ಸಾಧ್ಯವೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಯಂತ್ರದ ಕೊಯಿಲನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಬೇಕು. ಕೂಲಿಕಾರರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈಗಾಗಲೇ ಸರ್ಕಾರ ನಿಗಧಿಮಾಡಿರುವ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳಾದ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಅಂತರ ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು ಇತ್ಯಾದಿ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಕೃಷಿಕರು ಈಗಾಗಲೇ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ತಯಾರಿರುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ನೇರ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಆಯೋಜನೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು. ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ದೊರಕುವ ಶೀತಲಗೃಹಗಳನ್ನು ಶೇಖರಣೆಗಾಗಿ ಬಳಸಿ ಗತ್ಯಂತರವಿಲ್ಲದ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಮಾಡುವ ಅಪಾಯದಿಂದ ರಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ತೋಟಗಾರಿಕೆ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ ಹಾಗೂ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ಕೊಯ್ಲಿನ ಹಂತವನ್ನು ಮುಂದೂಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬೇಕು. ದಾಳಿಂಬೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಬಲಿಯುವ ಹಂತವನ್ನು ಸೂಕ್ತ ಪ್ರಮಾಣದ NAA ಬಳಸಿ ಮುಂದೂಡಬಹುದು.
- ದ್ರಾಕ್ಷಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲದಾಗ ಒಣಗಿಸಿ ಒಣದ್ರಾಕ್ಷಿಯನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಉತ್ತಮ. ದ್ರಾಕ್ಷಿ ಬಳ್ಳಿಗಳ ಸವರುವ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ ಹಂತವನ್ನು ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಮುಂದೂಡುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು.
- ಮಾವು ಬೆಳೆಗೆ ಮ್ಯಾಂಗೋ ಸ್ಪೆಷಲ್ ಪೋಷಕಾಂಶ ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು ಸಿಂಪರಣೆ ಮಾಡಿ ಕಾಯಿಗಳ ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಬೆಳವಣಿಗೆಯನ್ನು ಉತ್ತಮಗೊಳಿಸಬಹುದು. ಹಣ್ಣು ನೊಣದ ಹಾವಳಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಹಣ್ಣುನೊಣದ ತಡೆಬಲೆಗಳನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ತಾಂತ್ರಿಕ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನಕ್ಕಾಗಿ ಹತ್ತಿರದ ಕೃಷಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಕೇಂದ್ರವನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬೇಕು.
- ಕೊಯ್ಲು ಹಂತಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುವ ತರಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಯಾವುದೇ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಮುನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಬಾರದು. ಕ್ರಿಮಿನಾಶಕ ಅಂಶರಹಿತ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಕಳುಹಿಸುವುದು ನಮ್ಮ ಧ್ಯೇಯವಾಗಬೇಕು.

**KHASI**

## KI KYNDON NA KA BYNTA KI NONGREP BAD KI BYNTA JONG KA REP KA RIANG HA KANE KA POR BA KHANG NA KA DAW JONG U KHNIANG JINGPANG CORONA VIRUS (COVID-19)

Ki jingbthah ba lah pynmih da ka sorkar India khnang ba ka rep ka riang bad kiwei kiwei ki jait kam ba iadei bad ka rep ka riang kin iaid beit ryngkat bad jingbud ia ki kyndon ban iada na u khniang.

**Ki kam hapoh ka rep ka riang kiba lait naka jing pakhang shnong**

i. Ki Veterinary Hospital
ii. Ki agency kiba thied ia ki tiar kiba donkam ha ka rep ka riang kaba kynthup lang ia ki ophis ba pyntrei ia ka MSP
iii. Ki Mandis ne ki iew kiba die ia ki mar rep kum ki jhur, ki soh bad kiwei kiwei de kiba lah pyniaid da ka Agriculture Produce Market Committee ne kaba la ai jingbit ne jingbthah da ka sorkar Meghalaya
iv. Ki jingtrei jong ki nongrep ha ki hali ne lynkha jong ki
v. Ki jaka buh ia ki tiar kum ka power tiller, ki pump bad kiwei kiwei de kiba ki nongrep ki ju pyndonkam ha ka por ba ki rep
vi. Ki jaka kiba shna bad kiba pynmih ia ki sboh dawai, ki dawai pyniap khniang bad ki symbai
vii. Ka jingkit ia ki tiar ne machine na kawei ka jaka sha kawei pat hapoh ka jylla kiba pyndonkam ha ka por ot bad thung kum ka combined harvester bad kiwei kiwei de ki tiar kiba ju donkam ha ka por rep.
viii. Ki dukan kiba de ia ki kor rep bad ka jaka shna ia ki.
ix. Ki dukan chna kali ba don ha surok bah khamtam ia kiba don hajan petrol pump.
x. ki kharkhana sla sha kynthup lang bad ki jaka rep sla sha ba don haduh 50% ki nongtrei.

*ki kyndon naduh i haduh vii ki long katkum ka jingbthah jong ka ministry ka kam poh iing, Goi vide No. 40-3/2020-DM-I (A) tarik 24th ,25th bad 27th Lber, 2020 bad ki Clause 2,4,5 bad 6. bad ki kyndon viii haduh x katkum ka jingbthah lyngba ka 4th addendum jong ka Ministry ka koit ka khiah order no 40-3/2020-DM-1(A) tarik 24th lber 2020.

Ia kine ki kyndon kiba lah kdew haneng yn ym khang kum ha kane ka por, khnang ba ki nongrep jong ngi kin nym shem jingeh.

Kat kum ka jingbthah ka sorkar India , ki minister bad ki department bapher bapher jong ka jylla Meghalaya ki lah ioh jingtip ban pyntreikam ia kine ki kyndon ba lah kdew haneng bad ba ki kam baroh kiba ia snoh bad ka rep ka riang kin ym sangeh kum ha kane ka por.

**Ka jingbthah na ka bynta ki nongrep**

**Ka por ot ia ki jingthung**

Kum ha kane ka por ba khang na ka daw jong u khniang jingpang corona, don ki jingthung kiba lah dei ka por ban kheit ne ot. Ka jingkheit ne ot ia kum kine ki jingthung kaba kynthup ruh ia ka jingleit die sha ki iew ka long kaba eh namar ka rep ka riang ka iaid ryngkat bad ka por. Hynrei ki nongrep ki dei ban phikir bha khnang ba une u khniang un ym saphriang. Ki nongrep ki lah ban iada ialade na une u khniang da kaba ieng jngai iwei na iwei bad pyrshang ban nym ialum lang ha kajuh ka jaka, ki dei ruh ban lehkhuid da kaba sait bha ia ki kti da ka sabon, deng mask, phong ki jain kiba lah ban iada na une u khniang bad da kaba sait khuid bha ia ki tiar kiba pyndonkam ha ka por rep. Baroh ki nongrep ki dei ban bud ia kine ki lad ban iaid na une u khniang jingpang bad pyrshang ban nym ialum lang ha ka juh ka jaka bad ban ieng jngai iwei na iwei kumba shi metre (1m) eiei ha man la ki por.

- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u kew ha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India da kaba pyndonkam da ki machine kum ka combine harvester bad lah shah ban kit ia kine machine na kawei ka jylla shawei ka jylla. Dei ban phikir bha bad bud ia ki lad ban iada na kane ka jingpang khamtam ia kito ki briew ki ba shna bad pyndonkam ia kine ki machine.
- Ka jingot ia u tyrso umphniang ka dang iaid hynrei ia ka jingshoh ia u ka dang sah teng ha ki jaka ba lah dep ot.
- Ka jingot ia u dai, u riewhadem bad u sohmynken ka dang iaid shaphrang bad ka lah jan dei ka por ban ot ia u shana.
- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u pai bad ka lah dei ka por thung sha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India.
- Baroh ki nong ot bad kiba lum ia ki mar rep, jhur, soh, pylleng bad dohkha ki dei ban bud ia ka jinglehkhuid shimet bad ka jing jngai iwei na iwei ha ka por ba leh bad hadien ba dep ka ki kam na lyngkha.
- Ha ka por ba trei kam ha lyngkha, dei ban shna ki nur kiba jngai 4-5 phut bad ban trei iwei i briew ha kawei ka nur. Kane kan pyntikna ban biang ka jingjngai iwei na iwei.
- Baroh ki dei ban deng ia ki mask bad ban thed ia ki kti bunsien.
- Pyntikna ban pynjngai iwei na iwei kumba 3-4 phut ha ka por shongthait, por bam bad por rah ki mar.
- Ia bynta ki kam ha lyngkha katba lah khnang ban pynduna ka jing bun briew ha lyngkha.
- Pyntrei da ki brew ba ithuh lane ki briew ba biang hadien ba lah dep kylli bniah ban kiar na ka jingrung ki briew ki ba rah ia u khniang jingpang.
- Pyn donkam da ki tiar machine ha ki jaka ba lah. Tang ki briew ba donkam kidei ban don hajan ka machine.
- Baroh ki machine ki dei shah pyn khuid ha baroh ki jaka rung bad man lah ka kato katne sngi. Baroh ki kali kit mar, borni bad kiwei kiwei ki tiar ba pyndonkam ban kit mar ki dei ban long kiba khuid.

**Ki mat ban phikir hadien ba lah dep kheit lane ot bad ha kaba die ia ki mar rep:**

- Haba thad, shoh lane dung, tai ne peh, pynkhuid, pynbynta lane pyniakhlad bad haba song ia ki mar rep ha ki lum ne ki jaka rep jong phi da kynmaw ban iada ialade da kaba sop bha khamtam ia ka khmut bad shyntur da kaba deng da ki *mask*. Kane kan pyllait na ka jingrung jong ki pui pui bad kiwei kiwei ki phngit kiba lah ban ktah ia ka rukom ring bad pynhiar mynsiem jong ngi ki briew.
- Dei ban thad rkhiang bha ia ki shyieng, u krai ne ki kynja dai shua bad kiar ia kaba buh ia ki ha ki byrni ne song ba lah ju pyndonkam khnang ban pynduna ia ka jinglyngshop jong ki khniang ne jingpang. Donkam ruh ban pynkhuid ia ki byrni ne pla song da kaba pyndonkam da ka dawai *neem* bal ah khleh lang bad ka um.
- Dei ban da phikir bha shua ban song ia ki mar rep ha ki byrni khamtam ia kito kiba donkam ban buh ha ki iing daithah *(cold storage)/ kudam.*
- Dei ban bud pyrkhing ia ki jingbthah ha kaba iadei bad ka khuid ka suba ban iada na kino kino ki jait jingpang ha ka por ba kyntiew ne pynhap ia ki mar rep ha iew ha hat ne ha kano kano ka rynsan ia die ia thied.
- Uno uno u nongrep u don ka hok khlem kano kano ka jingpyrkhing da ka ain ha kaba iadei bad ka jingshalan ia ki symbai sha kino kino ki kompani, hynrei dei ban pynbiang ia ki kot ki sla ba pura na ka bynta kane. Dei ban husiar bad phikir bha ruh ha ka por ba pyndep ia ka jingsiew ia ki pisa ki pilain.
- Kam don ka jingkhang ia ka jingshalan ia ki symbai da ki jaka pynmih symbai *(seed processing/ packaging plants).* Kane kan iarap shibun ia ki nongrep ha kaba ki lah ban ioh ia u symbai ha ka aiom kaba biang bad dei por.
- Dei ban phikir bad bud pyrkhing ia ki jingbthah jong ki bor pyniaid ain ha kaba ia dei bad ka jingdie marmet ia ki mar rep kyrpang ia ki jhur kum u sohsaw, phul kubi, sla jyrngam, sohkhia bad kiwei kiwei.

**Ia ki Jingthung ba don ha lyngkha**

- Ka jing syaid ha ki jaka ba rep ia u kew ki dang kham duna ban ia kaba ju long mynshuwa, te ki nongrep ki lah ban ot ia u kew hadien 10-15 sngi palat ka 10 tarik u bnai Iaiong. Ki nongrep ki lah ban ot haduh ka 20 tarik u Iaiong ban lait na jing duhnong, bad kan ai por ban pyn beit ban pyn iad iew ia u mar.
- Ban lait naka jing julor ka jingpang thoh rew ha u kba, donkam ban husiar ha ka por synriet dawai.
- Lada ja ba ka slap ha ka por ot kba, synreit 5% ka um-mluh ban lait naka sbeh.
- Ia ki jhur lane soh ba dei por seisoh kum u soh pieng, ha ka por ba synreit dawai dei ban peit bniah por ba khleh dawai, ba ber bad pynpoi ia ki dawai bad kumjuh ruh ban sait bniah ia ki tiar ba pyndonkam.
- Ha ka por lyiur, ia ki kynja dai ha lyngkha, dei ban phikir bad bud ia ki kyndon ki ban iarap ban iada na u khniang skain lieh ba pynioh iaka jingpang thoh stem ha ki sla.

# കോവിഡ് - 19 ലോക്ഡൗൺ പശ്ചാത്തലത്തിൽ കർഷകർക്കും കാർഷികമേഖലക്കുമുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട മുൻകരുതലുകൾ എടുത്തു കൊണ്ടു തന്നെ കൃഷി അനുബന്ധ മേഖലകളിലെ പ്രധാനപ്പെട്ട പ്രവർത്തനങ്ങൾ തുടരുവാനായി കേന്ദ്ര സർക്കാർ മാർഗ്ഗ നിർദ്ദേശങ്ങൾ* പുറപ്പെടുവിച്ചിരിക്കുന്നു. കർഷകരുടെ പ്രയോജനത്തിനായി അവ ഇവിടെ കൊടുത്തിരിക്കുന്നു.

## *ലോക്ഡൗണിൽ നിന്നും ഒഴിവാക്കപ്പെട്ട കൃഷിയും അനുബന്ധ മേഖലകളും**

i) മൃഗാശുപത്രികൾ
ii) കാർഷിക ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ സംഭരണത്തിലും തറവില നിശ്ചയിക്കുന്നതിലും ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന ഏജൻസികൾ
iii) സർക്കാർ അധീനതയിലുള്ള കാർഷിക ഉൽപ്പന്ന വിപണന കമ്മിറ്റിയുടെ നിയന്ത്രണത്തിലുള്ള കാർഷിക ചന്തകൾ
iv) കർഷകരും കർഷകത്തൊഴിലാളികളും കൃഷിയിടത്തിൽ ചെയ്യുന്ന കൃഷിപ്പണികൾ
v) കാർഷിക ഉപകരണങ്ങൾ വാടകയ്ക്ക് കൊടുക്കുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
vi) വിത്ത്, വളം, കീടനാശിനികൾ എന്നിവയുടെ ഉത്പാദനവും പാക്കേജിങ്ങും ചെയ്യുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ
vii) കൊയ്ത്ത്മെതിയന്ത്രം പോലുള്ള വിളവെടുപ്പ്, നടീൽ അനുബന്ധ കാർഷിക ഉപകരണങ്ങളുടെയും യന്ത്രങ്ങളുടെയും കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും അവയുടെ ഉപയോഗവും
viii) കാർഷികയന്ത്രങ്ങളുടെയും, യന്ത്ര ഭാഗങ്ങളുടെയും , അവ നന്നാക്കുകയും ചെയ്യുന്ന കടകൾ തുറന്നു പ്രവർത്തിക്കാവുന്നതാണ്.
ix) ഹൈവേകളിലെ ട്രക്കുകൾ നന്നാക്കുവാനുള്ള കടകൾ, കഴിവതും അവ ഇന്ധനം നിറയ്ക്കുന്ന പമ്പുകളോട് അനുബന്ധിച്ചുള്ളവയാണെങ്കിൽ കൂടുതൽ അഭികാമ്യം
x) അങ്ങേയറ്റം 50% തൊഴിലാളികളെ ഉൾപ്പെടുത്തിക്കൊണ്ട് തേയില വ്യവസായവും മറ്റു തോട്ടങ്ങളിലെ ജോലികളും.

** സൂചികകൾ (i-vii) വരെ ആഭ്യന്തര വകുപ്പ് നിർദ്ദേശപ്രകാരം ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) തീയതി 24th, 25th and 27th മാർച്ച്, കൂടാതെ കൃഷി കർഷകക്ഷേമ മന്ത്രാലയം അപേക്ഷപ്രകാരം ഇന്ത്യാ ഗവൺമെൻറ് ഒഴിവാക്കിക്കൊണ്ടുള്ള ക്ലോസ് 2,4,5 & 6; സൂചികകൾ (viii-x) വരെ ഏകീകൃത മാനദണ്ഡങ്ങളോട് 4-ാം അനുബന്ധം 24.03.2020 തീയതിയിലെ MHA ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) പ്രകാരം കൂട്ടി ചേർക്കപ്പെട്ടതുമാണ്.*

മേൽസൂചിപ്പിച്ച പട്ടികയിലുള്ള സംവിധാനങ്ങൾ, കർഷകർക്ക് കാർഷികവൃത്തിയിൽ വേണ്ട അവശ്യസാധനങ്ങൾ ലഭ്യമാകുന്നു എന്നും ഈ ലോക്ഡൗൺ സമയത്ത് കർഷകർക്ക് യാതൊരുവിധ ബുദ്ധിമുട്ടും ഉണ്ടാകരുത് എന്നും ഉറപ്പുവരുത്തുന്നു.

കേന്ദ്രസർക്കാർ പോളിസി നിർദേശപ്രകാരം സംസ്ഥാന സർക്കാരുടെ വിവിധ മിനിസ്ട്രി വകുപ്പുകൾക്ക് കാർഷിക മേഖലയിലെ ഈവിധ ജോലികൾ നടത്തി കൊണ്ടുപോകുവാൻ വേണ്ട നിർദ്ദേശങ്ങൾ നൽകിയിട്ടുണ്ട്.

**<u>കർഷകർക്കായുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ</u>**

## *വിളവെടുപ്പും വിള പരിപാലനവും*

കോവിഡ് വ്യാപനത്തിനിടയിൽ കാർഷിക വിളകളുടെ വിളവെടുപ്പ് സമയമടുത്തിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പും വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതും, അവ തക്കസമയത്ത് വിപണിയിലെത്തിക്കുന്നതും കാർഷിക മേഖലക്ക് സമയബന്ധിതമായി അനിവാര്യമാണ്. എന്നിരുന്നാലും കർഷകർ രോഗവ്യാപനത്തിന് എതിരെ സുരക്ഷിത മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്. സാമൂഹിക അകലം പാലിക്കുക, സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈകൾ കഴുകുക, മുഖാവരണം ധരിക്കുക, സുരക്ഷാ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക എന്നീ വ്യക്തി ശുചിത്വം പാലിക്കേണ്ട മാർഗ്ഗങ്ങളും, കാർഷിക യന്ത്രങ്ങളും, ഉപകരണങ്ങളും മറ്റും വ്യത്തിയായി സൂക്ഷിക്കുക തുടങ്ങിയ ലളിതമായ മാർഗ്ഗങ്ങളും അവലംബിക്കേണ്ടതാണ്. അതുപോലെതന്നെ കാർഷിക തൊഴിലാളികളും സുരക്ഷിത മാർഗങ്ങൾ സ്വീകരിക്കുകയും സാമൂഹിക അകലം പാലിച്ച് കാർഷികവൃത്തിയിൽ ഏർപ്പെടുകയും ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

* കൊയ്ത്ത്-മെതിയന്ത്രം ഉപയോഗിച്ചുള്ള ഗോതമ്പു വിളവെടുപ്പ് വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ അടുത്തുവരുന്നുണ്ട്. സംസ്ഥാനത്തിനകത്തും പുറത്തുമുള്ള യന്ത്രങ്ങളുടെ കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും, അവയുടെ ഉപയോഗവും അനുവദിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു . യന്ത്രങ്ങളുടെ പ്രവർത്തനവും, നന്നാക്കലും - പരിപാലനവും നടത്തുന്ന തൊഴിലാളികളും എല്ലാവിധ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങളും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* കടുക് വിളവെടുപ്പും നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പ് കഴിഞ്ഞ സ്ഥലങ്ങളിൽ അവയുടെ മെതിക്കൽ പ്രക്രിയ നടത്തേണ്ടതുണ്ട്.

* പയറുവർഗ്ഗവിളകൾ, ചോളം, പച്ചമുളക് എന്നിവയുടെ വിളവെടുപ്പും ആഗതമായിരിക്കുന്നു.

* കരിമ്പ് വിളവെടുപ്പ് ഇപ്പോൾ ഉച്ചസ്ഥായിയിൽ ആണ്. അതുപോലെതന്നെ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ കരിമ്പ് നടേണ്ട സമയവുമാണ്.

* വയൽ വിളകൾ, പഴം-പച്ചക്കറി, മുട്ട, മത്സ്യം എന്നിവ വിളവെടുക്കുമ്പോഴും, വിളവെടുപ്പിനു ശേഷവും, വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുമ്പോഴും വ്യക്തിശുചിത്വ മാനദണ്ഡങ്ങളും സാമൂഹിക അകലവും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* തൊഴിലാളികൾ നേരിട്ടു നടത്തുന്ന വിളവെടുപ്പുപോലെയുള്ള കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ 4-5 അടി അകലത്തിൽ ഓരോ ആൾക്കും ഓരോ വരി വെച്ച് നിയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ഇങ്ങനെ, ഓരോ കാർഷിക തൊഴിലാളിക്കുമിടയിൽ ആവശ്യത്തിനുള്ള അകലം ഉറപ്പാക്കാം.

* കാർഷിക ജോലികളിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എല്ലാവരും മുഖാവരണം ധരിക്കുകയും, ഇടവേളകളിൽ സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈ കഴുകുകയും ചെയ്യണം.

* വിശ്രമിക്കുമ്പോഴും, ഭക്ഷണം കഴിക്കുമ്പോഴും, വിള കൈമാറ്റം ചെയ്യുമ്പോഴും, കയറ്റിറക്ക് നടത്തുമ്പോഴും 4-5 അടി എന്ന സുരക്ഷിത അകലം പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* ഒരേ ദിവസം തന്നെ കൂടുതൽ ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കാതിരിക്കുവാനായി ശ്രദ്ധിക്കുക.

* നല്ല ആരോഗ്യം ഉള്ളവരെയും, രോഗവാഹകരല്ല എന്ന് ന്യായമായി ഉറപ്പുള്ളവരെയും മാത്രം കൃഷി പണിക്കായി നിയോഗിക്കുക.

* സാധ്യമായിടത്തെല്ലാം യന്ത്രവത്കരണം നടപ്പാക്കുക. യന്ത്രങ്ങൾ പ്രവർത്തിക്കാൻ വേണ്ടി അത്യാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കുക.

* എല്ലാ യന്തങ്ങളും പ്രവർത്തനാരംഭത്തിലും, കൃത്യമായ ഇടവേളകളിലും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്. എല്ലാ ചരക്കു വാഹനങ്ങളും, ചാക്കുകൾ മുതലായ മറ്റു പാക്കേജിംഗ് സാമഗ്രികളും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്.

* ഉൽപന്നങ്ങളുടെ ശേഖരം ചെറിയ കൂനകളായി 3-4 അടി അകലത്തിൽ ക്രമീകരിക്കേണ്ടതും, ഓരോ കൂനയും കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതിനായി 1-2 ആൾക്കാരെ മാത്രം ചുമതലപ്പെടുത്തി തിരക്ക് ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്.

* ചോളം, നിലകടല എന്നി വയ്ക്കുള്ള മെതിയന്ത്രങ്ങൾ കർഷകരും, കർഷക ഗ്രൂപ്പുകളും സഹകരിച്ച് ഉപയോഗിക്കുമ്പോൾ, അവ വ്യത്തിയാക്കിയതും, അണുവിമുക്തമാക്കിയതുമാണെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തേണ്ടതാണ്. യന്ത്രഭാഗങ്ങൾ കൂടെക്കൂടെ സോപ്പുപയോഗിച്ച് യഥേഷ്ടം കഴുകേണ്ടതുമാണ്.

## കാർഷിക ഉൽപന്നങ്ങളുടെ വിളവെടുപ്പിനു ശേഷമുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളും സംഭരണവും, വിപണനവും

* കൃഷിയിടത്തിൽ വച്ച് ഉൽപന്നങ്ങൾ ഉണക്കി, മെതിച്ച്, പാറ്റി, ശുദ്ധീകരിച്ച്, തരം തിരിച്ച്, കെട്ടുകളാക്കുന്ന സമയം, പൊടിയുടെയും മറ്റു ദ്രാവക കണികകളുടെയും ഉപദ്രവം ഹേതുവായി ശ്വാസതടസ്സം ഉണ്ടാകാതിരിക്കുവാൻ മുഖാവരണം ധരിക്കുക.

* സംഭരണത്തിനു മുമ്പായി, വിളവെടുത്ത ധാന്യങ്ങൾ, ചെറു ധാന്യങ്ങൾ, പയർ വർഗ്ഗങ്ങൾ എന്നിവ കൃഷിയിടത്തിൽ / വീട്ടിൽ വച്ചു തന്നെ നന്നായി ഉണങ്ങിയിട്ടുണ്ടന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തുക. കീടശല്യം ഒഴിവാക്കുന്നതിനായി മുൻ മുമ്പ് ഉപയോഗിച്ച ചണചാക്കുകൾ ഉപയോഗിക്കാതിരിക്കുക. 5% വീര്യമുള്ള വേപ്പിൻസത്ത് ലായനിയിൽ മുക്കി ശുദ്ധീകരിച്ച്, ഉണക്കിയ ചണ ചാക്കുകൾ മാത്രം ഉപയോഗിക്കുക.

* കൂടുതൽ വില കിട്ടുന്നതിനായി ഉൽപന്നം സ്വന്തം കൃഷിസ്ഥലത്തോ അടുത്തുള്ള ശീതീകരണികളിലോ, ഗോഡൗണുകളിലോ, വെയർഹൗസുകളിലോ സൂക്ഷിക്കേണ്ടതായി വന്നാൽ, ആവശ്യത്തിന് ചണചാക്കുകൾ കർഷകർക്ക് ലഭ്യമാക്കുകയും, മറ്റ് മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടിയതുമാണ്.

* ഉൽപന്നത്തിൻ കയറ്റിറക്കു സമയങ്ങളിലും, ഗതാഗതത്തിലും, വിൽപ്പനയിലും ലേലത്തിലും പങ്കെടുക്കുമ്പോഴും ആവശ്യത്തിനുള്ള വ്യക്തി സുരക്ഷിതത്വ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* വിത്തുൽപാദനത്തിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന കർഷകർക്ക് അവരുടെ ഉൽപന്നം വിത്ത് കമ്പനികളിലേക്ക് സാക്ഷ്യപത്രം സഹിതം എത്തിക്കുവാൻ അനുമതി ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്. തുക സ്വീകരിക്കുമ്പോഴും വേണ്ടിയ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.

* ഏപ്രിൽ മാസത്തിൽ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ തീറ്റപ്പുൽ കൃഷിക്കുള്ള വിത്തു സംഭരണവും, കയറ്റി അയയ്ക്കലും (ദക്ഷിണേന്ത്യയിൽ നിന്നും ഉത്തരേന്ത്യയിലേയ്ക്ക്) ഈ കാലയളവിൽ അനിവാര്യമാണ്.

* കൃഷിയിടത്തിൽ നിന്നും തക്കാളി, കോളിഫ്ലവർ, ഇലവർഗ്ഗങ്ങൾ, വെള്ളരി വർഗ്ഗങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ ഉപഭോക്താക്കളിലേയ്ക്ക് നേരിട്ട് എത്തിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

## നിലവിലുള്ള വയൽവിളകൾ

* ഗോതമ്പ് വിളയിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ താപനില ഇപ്പോഴും അനുയോജ്യമായതിലും താഴെയാണ്. അതിനാൽ വിളവെടുപ്പ് ഏപ്രിൽ മാസം 10-ന് ശേഷം, ഉദ്ദേശം 10-15 ദിവസത്തോളം വൈകാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. ആയതിനാൽ, ഗോതമ്പ് കർഷകർക്ക് അധികം നഷ്ടമുണ്ടാകാതെതന്നെ ഏപ്രിൽ 20 വരെ വിളവെടുപ്പ് നീട്ടിവയ്ക്കാവുന്നതാണ്. ഈ സമയത്തിനുള്ളിൽ തീയതി നിശ്ചയിക്കുകയും ഗതാഗത സംവിധാനങ്ങൾ ഒരുക്കുകയും ചെയ്യാവുന്നതാണ്.

* ദക്ഷിണേന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ നെല്ലിൽ ധാന്യംനിറയുന്ന ഘട്ടത്തിൽ കരിച്ചിൽ രോഗം കാണപ്പെട്ടു വരുന്നു. കർഷകരോ, കരാർ അടിസ്ഥാനത്തിൽ തൊഴിലാളികളോ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

* നെല്ലിൻ വിളവെടുപ്പ് സമയങ്ങളിൽ ഒറ്റപ്പെട്ട മഴയുടെ സാഹചര്യം ഉണ്ടായാൽ, നെല്ല് മുളയ്ക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കാനായി 5% ഉപ്പ് ലായനി തളിക്കുക.

* മാവ് പോലുള്ള തോട്ടവിളകളിൽ ചെടിക്ക് ആവശ്യമായ മൂലകങ്ങളും മറ്റു മരുന്നുകൾ കൂട്ടുമ്പോഴും, തളിക്കുമ്പോഴും, ഉപകരണങ്ങൾ കഴുകി വയ്ക്കുമ്പോഴും വേണ്ടുന്ന സുരക്ഷാ ക്രമീകരങ്ങൾ ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

* നെൽകൃഷിക്കു ശേഷം തരിശു ഭൂമിയിൽ നടത്തുന്ന പയർ വർഗ്ഗകൃഷിയെ ബാധിക്കാവുന്ന വൈറസ് നിയന്ത്രിക്കാൻ വെള്ളച്ചകൾക്കെതിരെ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ തൊഴിലാളികൾ എല്ലാ സുരക്ഷാ മുൻ കരുതലുകളും എടുത്തുവെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തണം.

**MANIPURI**

# COVID-19 Lockdown মতমসিদা লৌমীশিং অমসুং লৌউ-শিংউ তৌরিবশিংদা লৌউ-শিংউবগী পাউতাক

ভারত সরকারনা মরু ওইবা লৌউ-শিংউ অমদি মসিগা মরী লৈনবা থবক থৌরমশিংদা চেকশিন থৌরাং কয়া লৌনবগীদমক অমদি লৌমীশিংগী কান্ননবা চৎন-পথাপ/থবক থৌরম কয়াসু মখাদা থল্লি।

## লৌউ-শিংউবা অমদি মসিগা মান্নবা থবকশিং Lockdown না কোনশিল্লোইদবশিং

১। শা-শনগী লায়েংশং।

২। লৌউ-শিংউবগী পোৎথোক্ পুথোক্কদৌরিবা Agency শিং অমদি MSP Operations।

৩। মনা-মশিং য়োনফম্ Agriculture Produce Market Committee না চলাইবা নত্রগা State Government না অয়াবা পীবা মফমশিং।

৪। লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা লৌবুক্তা লৌউশিংউবগী থবক্ থৌরমশিং তৌবা।

৫। Farm Machinery গী রাইথোক্ - রাইশিন তৌফমশিং।

৬। তিলহাক হিদাক্, হার, মরু – মরূং শাফমশিং - য়োনফমশিং।

৭। লৌউশিংউবদা চংবা খুৎশু - খুৎলাইশিং পুথোক পুশিন তৌবা।

৮। এগ্রীকলচরগী খূৎশু খূৎলায় য়োনবা অমদি শেনফমশিং হাংবীগদবনি।

৯। লৈবাক্কী লমজাও অচৌবদা লৈবা গাড়ী অচৌবা শেম্ফমশিং মরু ওইনা পেত্রোল পম্প মনাক্তা লৈবা মফমশিং হাংবীগদবনি।

১০। চা বগান অমদি চা পুথোক্লিবা করখানাশিংদা শিন্মীশিং য়াম্লবদা চাদা ৫০দগী হেন্না থবক শূহনলোইদবনি।

পোইন্ট (১-৭) Ministry of Home Affars ভারত সরকারগী ওর্দর 40-3/2020-DM-I (A) তাং ২৪, ২৫ অমদি ২৭ মার্চ ২০২০ মসিদা clauses ২, ৪, ৫ অমদি ৬তা হাপচিন্দুনা অমদি পোইন্ট (৮-১০) 4th Addendum to consolidated guidelines Annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24-3-2020.

মসিগী কোমথোকপসিনা লৌউ-শিংউবা অমদি মসিগা মরী লৈনবা থবকশিং পায়খৎপদা থিন্থহল্লোই অমসুং চঙদবা য়াদ্রবা পোৎলমশিং ফংহনবদা মতেং ওইবতা নত্তনা লৌমীশিংনা COVID-19 গী লোকদাউন মতমসিদা অৱাবা মায়োক্লহল্লোই।

## লৌউ-শিংউ লৌমী ঈচিন্-ঈনাওশিংদা পীবা পাউতাক্ ঃ

### মহী-মরোং খাওবা অমদি য়ৈবা-

নিংথমগী মহী-মরোং খাওবা অমদি য়ৈবা মতমদা তঙাইফদনা পাইখৎপিগদবা COVID-19 শনদোকপা থীংনবা চেকশিন্ থৌরাংশিং। Social Distancing মীওই অমগা-অমগা লাপনা লৈনবা। শাপোন্না খুৎ-শা শেংনা হামদোকপীবা, Mask উপশিনবীগদবনি। Protective ফিরোন শেৎপীবা, খুৎশু - খুৎলাইশিং শেংনা চামথোকপিবা।

- অৱাং ভারত্তা গেহু খাওবগী মতম ওইসিল্লকলবনিনা Combine Harvester State মনুংদা অমদি State অমগা-অমগগী চৎথোক্-চৎশিন্ তৌবগী অয়াবা পীজরে। Repair, Maintenance অমশুং খাওবদা হকথেংননা থবক্ শুরীবশিংনা চেকশিন থৌরাংশিং লৌখৎপীগদবনি।
- হংগাম অসি নিংথম্ মহৈ-মরোংগী অনিশুবা মরু ওইবা মহী-মরোংনি। খুৎনা খাওবা মতমনি অমদি য়ৈনবশু য়াওখরে।
- মশুরি, চুজাক্, মোরোক্ হৌজিক্ খাওনরি, চনাশু কাওবা মতম্ ওইশিল্লকলে।
- চুশু খাওনরি অমশুং অৱাং ভারত্তদি চু খাওবগী মতম ওইশিল্লকলে।
- ইশাগী চেকশিন্না লু-নান্না Social Distancing হায়রিবা থৌওং অসি মহৈ-মরোং, মনা-মশিং খাওবীরিবা, য়েরম্ম য়োনবিরিবা, লৌশিনবীরিবা, ঙা ফাবনাচিংবা মতমদা পাইখৎপিগদবনি।
- করিগুমবা খুৎনা খাওবা য়ৈবা তৌবা মতমদা ৪-৫ ফীট লাপনা থবক শুবিগনি। মসিনা থবক শুবিরিবাশিংদা লাপননা থবক্ শুবা ঙমহনগনি।
- থবক শুবীরিবা খুদিংমক্না Mask উপশিনবীগদবনি অমশুং মরক-মরকতা শাপোন্না খুৎ-শা শেংনা হামদোকপীগনি।
- পোথাবা মতম, চাবা-থকপা মতম, পোৎ হাপতোক্-হাপচিন্ তৌবাম মতমদা তঙাইফদনা ৪-৫ ফীট লাপননা তৌবিগনি।
- তঙাইফদবা থবক খকতমক শুবিগনি অমশুং মতম অমতদা মী য়াম্না থবক্ শুবীরৌইদবনি।
- থবক্ শুমিন্নবা মতমদা লাপ্না-লাপ্না শুবিগদবনি অমদি মী পুন্না-পুন্না শুরোইদবনি। শক্ খংনদবা মীগা পুন্না থবক্ শুমিন্নরোইদবনি।
- য়ারিবামখৈ Machine শিজিন্নবীয়ু। তঙাই ফদবা মীতমক্ Machine শিজিন্নবীয়ু।
- চংফমদা শিজিন্নরিবা Machine খুদিংমক্ হীদাক্ কাপথোকপিয়ু, মরক্-মরক্তশু অদুমমক্ হীদাক্ কাপথোকপিয়ু। গরিশিং, বোরানচিংবশু হীদাক্ কাপথোকপিয়ু।
- পোৎ-চৈ য়াম্না পৈশিনবীরোইদবনি অমশুং মপৈ অমগা-অমগা ৩-৪ ফীটতগী তাদনা লাপথোক্না পৈশিনবীগনি অমদি লৌবুক্তা থবক্ শুবদা মীওই ১-২ খকতমক্ শিজিন্নবীগনি।
- চুজাক্ লৈবাক্ হ্মাই খাওবদা শিজিন্নবা Machine শিং শেংনা হীদাক্ কাপথোকপিগনি অমদি শাপোন্না Machine শিং অদু চামথোকপীয়ু।

## পোৎ-চৈ লিবা অমদি য়োনথোক্-য়োনশিন তৌবা ঃ

- কংহনবা, য়ৈবা, হুমবা, চামথোকপা, খনদোকপা অমদি য়োমশিনবা মতমদা Mask শিজিন্নবীয়ু। মসি শিজিন্নবনা শ্বর হোনবদা নুংঙাইতবা থোকহল্লিবা উফুল অমদি ফৎতা-হাওদি অমদি হক্থি কনবদা য়াওরকপা মহীক্-মতাইদগী ঙাকথোকপা ঙমগনি।

- মরু-মরাংশিং, হ্লাইনচিংবা লিদ্রিঙৈদা ফজনা কংহনবীগনি। হান্না শিজিননখ্রবা বোরা শিজিন্নরোইদবনি। নিম মহি চাদা ৫ গী মপাঙ্গল লৈবা ৫% দা তিংথোকপা, নিংথিজনা কংহল্লগা বোরাশিং শিজিন্নবিগনি। পোৎ-চৈ লিবদা শিজিনগদবা বোরাশিং মারাং কাইনা Cold Storage/Godown, অমদি Warehouse না চিংবা মনাক্তা ফংহননবা হোৎনবিগনি মসিনা বোরাগী মামন খংহনবদা মতেং পাংগনি।
- পোৎ-চৈ হাপতোপ্-হাপচিন্ তৌবা হোনদোক্-হোনজিন্ তৌবা, য়োনবা মফমশিং, কৈথেল্, auction তৌফমশিং personal safety measures লৌখৎপিগদবনি।
- মরু-মরাং পুথোক্কিবা লৌমীশিংনা মরু-মরাংশিং Seed Company শিংদা পুথোক-পুশিন তৌবগী অয়াবা পীরি অমদি পৈশা লৌথোক্-লৌশিন তৌবদা চেকশিন থৌরাং লৌখৎপিগনি।
- Seed Processing, Packing plants অমদি Transportation seed পুখোকলিবা State শিংদগী Seed থাবীরিবা State শিং, South to North State শিংদা লাক্কীবা Kharif crop কীদমক্ ফংহনগদবনি। খুদম ওইনা SSG অশংবা শজিক্ অসি লাক্কীবা April থাদা থাগদৌরিবা অসি অন্নাং ভারত্তা খা ভারত্তগী State শিংদগী লাক্কদৌরিবনি।
- অশংবা মনা-মশিং খুদম ওইনা খামেন অশিনবা, কোবী লৈ, মোরোক্, মানা মশিং, থবী, খোংদুম মাইরেন্নচিংবা, য়োনথোক-য়োনশিন, পীথোক-পীশিন তৌবদা চেকশিনবীগনি।

## মহৈ-মরোং ঃ

- গেহু হৌরিবা মফমশিংদা অইং-অশাগী চাং খরা নেম্না লৈবনা গেহু খাওবগী মতম য়ামদ্রবদা নুমিৎ ১০ নিদগী ১৫ নি April ১০গী মতুং ফাওবা চোনথনবগী ওইথোকপা লৈ। মরম অসিনা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা April ২০ ফাওবদা গেহু খাওবদা থোইদোক্না চাথোক্ হনথহললোই অমদি লৈথোক্-লৈশিন্ তৌবগী মতম ফজনা ফংগনি।
- থা ভারত্তগী নিংথমগী ফৌ পাম্বীশিং neck blast না পাক-শন্না অমাং-অতা থোকহল্লি মরম অসিনা চান্নবা হীদাক্ মী নেক্কগা নত্তগা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা কাপথোকপীগনি।
- করিগুম্বা মতমদা মতম নত্তনা লৌ লোকপা মতমদা নোং চুই। নোং চুরক্কবদি থুম ৫% মহি কাপথোকপীয়ু মসিনা ফৌ ময়োল্ চোংলকপদগী ঙাকথোকপা ঙমগনি।
- Horticultural Crops মরু ওইনা হৈনৌ পাল্লকপা মতমদা হার কাপথোকপীবা, হীদাক্ চাইথোকপীবা অমদি য়ানথোক্-য়ানশিন্ খুৎশু-খুৎলাই চামথোকপা মতমদা মতাং-মতম্ চানা চেকশিন থৌরাং লৌকৎপীগনি।
- কালেনগী হ্লাই পাম্বীশিং, ফৌগা লোইননা থাবিরিবাশিং Yellow mosaic virus তগী ঙাকথোক্কবা White fly শিং ঙাকথোক্কবগীদমক্ চেক্শিন থৌরাং পাইখৎপিগনি।

***Translated by***

**Dr. R.K. Imotomba Singh**

**Sr. Scientist & Head**

Krishi Vigyan Kendra, Bishnupur district, Manipur

**MARATHI**

**<u>कोविड-१९ च्या पार्श्वभूमीवर लॉकडाऊन कालावधी दरम्यान शेतकरी आणि शेती क्षेत्रासाठी कृषी सल्ला</u>**

शेती व त्यासंबंधित महत्त्वाच्या क्षेत्राची कामे विहित सावधगिरीसह सुरु राहावीत यासाठी भारत सरकारने काही मार्गदर्शक तत्त्वे* निश्चित केली आहेत. सदरील मार्गदर्शक तत्त्वे शेतकऱ्यांच्या हितासाठी येथे सारांशरूपात सूचीबद्ध केली आहेत.

**लॉकडाउनच्या कालावधीत सुट दिलेली शेतीविषयक आणि शेतीसंलग्न कामे**

१. पशुवैद्यकीय रुग्णालये
२. कृषी उत्पादनांच्या खरेदीशी संबंधीत संस्था
३. राज्य शासनाने अधिसूचित केल्याप्रमाणे कृषी उत्पन्न बाजार समितीद्वारे संचालित 'मंडी'
४. शेतकरी व शेतमजुरांमार्फत करण्यात येणारी शेतीची कामे
५. शेतीच्या कामाशी संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी)
६. खते, कीटकनाशके व बियाण्याचे उत्पादन व पॅकेजिंग युनिट
७. कंबाइन हार्वेस्टर आणि इतर शेती / बागायती उपकरणे यासारख्या कापणी आणि पेरणी संबंधित मशीन्सची राज्यांतर्गत आणि राज्याबाहेरील ने-आण
८. कृषी यंत्रांची दुकाने, त्याचे सुटे भाग (त्यातील पुरवठा साखळीसह) आणि दुरुस्तीची दुकाने
९. महामार्गावरील ट्रक दुरुस्तीची दुकाने विशेषतः इंधन पंपावरील
१०. चहा उद्योग लागवडीसह व जास्तीत जास्त ५० % कामगारासह

या सवलतींमुळे शेती व शेतीशी संबंधित कामे सुलभ होतील जेणेकरून आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणतीही अडचण येणार नाही. लॉकडाऊन दरम्यान अंमलबजावणीसाठी संबंधित मंत्रालये/ राज्य शासन विभाग आणि केंद्रशासित प्रदेशांना आवश्यक दिशा निर्देश जारी केले आहेत.

**मुद्दा क्र. (१ ते ७) गृह मंत्रालय, भारत सरकारच्या पत्र नं.-४०/०३/२०२०-डीएम-आय (ए) दि. २४, २५ आणि २७ मार्च २०२०, अपवादांमधील कलम २, ४, ५ आणि ६ मधील सुधारणा; आणि मुद्दा क्र. (८ ते १०) एमएचए आदेश क्र. ४०-३/२०२०-डीएम (ए) दि. २४.०३.२०२० ला सहपत्रीत केलेल्या एकत्रित मार्गदर्शक तत्वांच्या ४ थ्या परिशिष्टानुसार.*

या सवलतींमुळे शेती आणि शेतीशी निगडित निर्बंधित उपक्रम सुरु राहण्यास मदत होईल ज्यामुळे आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा सुनिश्चित होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणत्याही अडचणींना सामोरे जावे लागणार नाही.

**भारत सरकारच्या धोरणात्मक निर्देशांच्या आधारे, राज्य सरकारच्या विविध मंत्रालये /विभागांनी कृषी आणि संबंधित क्षेत्राशी संबंधित उपक्रम सुरू ठेवण्यासाठी, सुलभतेसाठी अंमलबजावणी मार्गदर्शक तत्त्वे जारी केली आहेत.**

**शेतकऱ्यांसाठी सल्ला**

अ. **पिकांची काढणी व मळणी** :

- कोविड-१९ च्या पार्श्वभूमीवर, सद्य परिस्थितिमधे रब्बी पिके पक्वता कालावधीमधे आहेत. सर्व शेतीची कामे वेळेवर झाली आहेत त्यामुळे काढणी व हाताळणी तसेच बाजारपेठेत माल पाठवणे अपरिहार्य आहे. तथापि, सदरील रोगाचा प्रसार रोखण्यासाठी खबरदारी आणि सुरक्षा उपायांचे पालन केले पाहिजे. साध्या उपायांमध्ये सामाजिक अंतर ठेवणे, साबणाने हात धुवून वैयक्तिक स्वच्छता राखणे, मास्क परिधान करणे, संरक्षक कपडे आणि उपकरणे व यंत्रसामग्री साफ करणे समाविष्ट आहे. शेतीच्या संपूर्ण कामात प्रत्येक ठिकाणी सुरक्षा उपाय आणि सामाजिक अंतरांचे अनुकरण करावे.
- विविध राज्यांमध्ये गहू कापणीचे काम चालु आहे त्यामुळे हार्वेस्टरला जिल्ह्याअन्तर्गत व जिल्ह्याबाहेर जाण्यासाठी परवानगी देण्यात आली आहे. दुरुस्ती, देखभाल आणि कापणीच्या कामात गुंतलेल्या कामगारांची खबरदारी व सुरक्षितता सुनिश्चित करणे आवश्यक आहे.
- रब्बी हंगामातील मोहरी हे दुसरे महत्त्वाचे पीक आहे. या पिकाची काढणी अंतिम टप्प्यात असून जिथे जिथे आधीच कापणी झाली आहे तेथे मळणी केली जात आहे. मसूर, मका आणि मिरचीची काढणी सुरू असून हरभरा पिकाची काढणी जवळ येत आहे.
- ऊस तोडणी चालु असून उत्तर भागात लागवडीची वेळ जवळ आली आहे
- शेतातील कामापुर्वी आणि कामे झल्यानंतर पिके, फळे, भाज्या तसेच अंडी आणि मासे या कामात गुंतलेल्या सर्व शेतकरी तसेच कामगार या सर्वानी वैयक्तिक स्वच्छता आणि सामाजिक अंतर ठेवण्याचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- शेतमाल कापणी किंवा तोडणीचे काम करत असतांना एका कामगाराला ४ ते ५ फुटाचा पट्टा वाटून दिल्यास काम पण योग्य होइल आणि योग्य सामाजिक अंतरही ठेवले जाईल.
- शेतकऱ्यांनी आराम करण्याच्या वेळेस, जेवण करताना तसेच मालाची ने-आण करताना शेतमाल गाडीत भरताना व उतरवताना किमान एकमेकांपासून तीन ते चार फुटाचे अंतर राखणे आवश्यक आहे.
- शक्यतो एकाच ठिकाणी गर्दी न करता शेतीमधील वेगवेगळी कामे कमीत कमी मजुरांमार्फत करणे आवश्यक आहे, त्यासाठी शक्यतो घरातील माणसांच्या मार्फतच शेतीकामे करावीत ज्यामुळे बाहेरील विषाणूचा प्रादुर्भाव कमी होण्यास मदत होईल.
- शेतीकामे शक्यतो मशिनच्या साह्याने करावीत, त्यामध्ये कमीत कमी मनुष्यबळाचा वापर करावा तसेच शेती कामासाठी वापरली जाणारी अवजारे, गोणी तसेच पॅकिंगच्या गोष्टी ह्या सुद्धा निर्जंतुकीकरण कराव्यात
- शेतमालाचे ढीग करण्यासाठी दोन ढिगामधील अंतर तीन ते चार फूट ठेवणे आवश्यक आहे त्यासाठी शक्यतो एक किंवा दोन कामगारच वापरावेत. मका आणि भुईमूग या पिकांच्या मळणीसाठी वापरले जाणाऱ्या यंत्रांचे निर्जंतुकीकरण करावे कारण ही यंत्रे शेतकरी वेगवेगळ्या गटांमध्ये वापरत असतात.

**ब. शेतमालाचे काढणीपश्चात साठवणूक व विपणन व्यवस्थाच्या दरम्यान करावयाच्या उपाययोजना**

- शेतकऱ्यांनी मालाची वाळवणी, मळणी, धान्य साफ करणे, प्रतवारी करणे इत्यादी कामे ही शेतावरच करणे आवश्यक असते. यासाठी शेतकऱ्यांनी तोंडावर मास्क वापरावा जेणेकरून धूळ तोंडावाटे आत जाणार नाही.
- अन्नधान्ये, कडधान्ये हे काढणीनंतर योग्य वेळेस सुकवावे. साठवणूक करताना किडींचा प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी अगोदर वापरलेल्या गोण्या वापरू नयेत यासाठी साठवणूकीच्या गोण्यांचे पाच टक्के निंबोळी अर्कात भिजू घालून निर्जंतुकीकरण करावे. शेतमालाची चांगली किंमत येण्यासाठी आवश्यकतेप्रमाणे यांचा वापर करावा.
- शेतकऱ्यांनी शेतमाल गाडीमध्ये भरताना तसेच उतरावतांना, बाजारपेठेमध्ये नेतांना व लिलाव करते वेळेस पुरेसे वैयक्तिक सुरक्षिततेचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- बियाणे उत्पादक शेतकऱ्यांना तयार झालेले बियाणे कंपनीकडे पाठवण्यासाठी परवानगी देण्यात आलेली आहे. यासाठी विकलेल्या बियाण्याचे पैसे घेते वेळी आवश्यक ती काळजी घेणे महत्त्वाचे आहे. तसेच बियाणे वाहतूक करतांना आवश्यक कागदपत्रे बरोबर बाळगणे बंधनकारक आहे.
- येत्या खरीप हंगामाच्या दृष्टिकोनातून बियाणे उत्पादक कंपन्या पॅकेजिंग विभाग यांना सदरील बियाणे हे एका राज्यातून दुसऱ्या राज्यांमध्ये पाठवण्यासाठी मुभा देण्यात आलेली आहे, जेणेकरून येणारा खरीप हंगाम हा सुरळीत होईल.
- टोमॅटो, कोबी, फ्लॉवर, काकडी, पालेभाज्या व इतर भाजीपाला बाजारपेठेमध्ये पाठवताना शेतकऱ्यांनी वैयक्तिक सुरक्षिततेचे उपाय करणे गरजेचे आहे.

**क. शेतात उभ्या असलेल्या पिकांबाबत करावयाच्या उपाययोजना**

- गहू पिकविणाऱ्या बहुतांश भागांतील तापमान अद्यापही सरासरीपेक्षा कमी असून त्यामुळे गहू कापणीस दहा ते पंधरा दिवस उशीर होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे शेतकरी कोणतीही नुकसान न होता २० एप्रिल पर्यंत गव्हाची काढणी करू शकतात, तसेच काढणीस उशीर जरी झाला तरी शेतकऱ्यांना विक्री संदर्भात आवश्यक ती उपाय योजना करणे शक्य आहे.
- फळपिकांमध्ये विशेषतः आंब्यामध्ये फळधारणा होत असून यासाठी आवश्यक त्या फवारण्या व पीक संरक्षणाच्या संदर्भात शेतीची कामे करत असताना उपकरणे हाताळतांना सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे
- भात पिकानंतर घेतल्या जाणाऱ्या उन्हाळी कडधान्य पिकांमध्ये पांढऱ्या माशीचे नियंत्रण करणे महत्त्वाचे असून यासाठी वैयक्तिक पातळीवर संरक्षित उपाय योजना कराव्यात जेणेकरून विषाणूंचा प्रादुर्भाव रोखता येईल.

**MIZO**

## Covid-19 vanga inkharkhip laia loneitu leh a kaihnawihte ina an zawm tur

Government of India in Agriculture leh a kaihhnawih a harsatna a awm loh nan leh kuthnathawktuten hna tluang taka an thawh chhunzawm zel theih nan inkaihruaina dan a siam a, chungte chu a hnuaia mi te hi an ni

**Inkharkhip na in a ahuam ve loh te:**

1) Ran enkawlna hmun ( Veterinary Hospital)
2) Loneitute leh an thar chhuah lakhawmtute leh enkawltute
3) Nitin eichawp leh thlai thar zawrhna hmun sawkar in phalna a pek te
4) Loneitute leh an hnathawkte
5) Custom Hiring Centre loneitute tan a siam
6) Leitha, Hlo tur leh thlai chi siamna hmun leh pek chhuahna hmun
7) Loneihna hmuna khawl tangkai ( eg tractor etc) state chhung leh pawn a kal thin te
8) Agriculture kaihnawih khawl chi hrang hrang leh a part zawrhna dawr leh a siamthatna dawr te pawh in hawn tur a ni.
9) Zin kawnga ni tin mamawh bungraw phur truck te a lo chhiat palhin a siamna hmun a awm tur a ni. Duhthusam ah chuan Petrol pump bul hnai ah.
10) Thingpui huan leh sawngbawlna hmunah hnathawktu 50% an awm thei/thawk thei.

***points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.**

He inkharkhip hun chhung a Agriculture leh a kaihhnawih a kuthnathawktuten harsatna an tawh loh nan hriat tur pawimawh an siam a ni.

Heng dan Government of India in a a rawn siam zulzui hian , Ministry leh State Department te chuan loneitu te leh a kaihhnawih kawng a hnathawktu ten an hna tha tak a an thawh chhunzawm theih nan kaihhruai nate a siam a.Chungte chu:-

**Loneitu te tan a Thurawn**

**Thlaithar**

Covid-19 darh zau zel boruak kar ah hian, thlasik thlai te chuan puitling lam an rawn pan zel a.Thlai thar leh sawngbawl te hi loh theih loh a ,a hun chhung a tih ngei ngei ngai an nih avangin , hemi lam ah leh a hralh chhuah na kawng ah loneituten fimkhur tak leh

uluk tak in he natna ti darh lo zawng in hma an la tur ani. Fimkhur dan then khat te chu , mihring in hlat a awm , kut fai tak a sil , hmaituam that , thawmhnaw fai leh loneihna hmanrua fai tak a sil . Hna thawk tute pawn huan a an hna thawh na ah in hnaih lo a hna thawh hram tum tur ani.

- Hmar lam State ah chuan wheat thar alo hun leh ta a, wheat sengna khawl (Combine Harvester) hman leh State hrang hrang ah veivah leh in kal pawh theih a ni. Hemi kawng a hna thawk tute, leh khawl siam tha tute an fimkhur ani tih enfiah tur ani.
- Tel antam hi thlasik thlai pawimawh tak ani a , tun ah hian thar mek ani a, chuvangin a her na khawl a her tir hi phal ani.
- Chhim lam ah chuan fu chu nasa tak a her chhuah ani tawh a , chin leh hun ani tawh.
- Thlai ching tute leh thei huan nei tute leh ran enkawl tu ten , an hna an tan hma leh thawh laite, thawh zawh tawh hnuah te, mahni in tihfai leh inkar hlat a awm an ngai pawimawh tur ani.
- Thlai thar na hmun ah mipakhat aia tam in hna an thawh chuan , 4 - 5 feet a in hlat a hna thawh theih a tha.
- Hnathawk tu ten hmai an tuam ang a, a khat tawkin kut an sil fai bawk tur ani.
- Thlaithar lakkhawm leh semchhuah leh chhun chaw fak hun ah te 3-4 feet a in hlat a awm tum tur ani.
- Thlai chi thlakin a theih hram chuan sir sawn a, a chi thlak tur leh mi a tam lo thei ang ber nikhat a thawh tur.
- Mi hriatchian chauh mahni huan a thawk tur a rawih tur
- Khawl hman theihna hmun ah chuan hman tum hram a , khawl Khawihtu tur bik chauh lo chu kal phal loh tur.
- Khawl reng reng huan a luh hma in damdawia tih thianghlim a a khat tawk a tihfai leh bawk tur ani, thlai thar phur tu tur motor te leh a phurhna ip leh a dang te pawh damdawia tih thianghlim hmasak phawt tur.
- Thlai thar te pawh hmun khat a chhep khawm teuh lo in tlem te te a 3 - 4 feet a in hlat a chhek khawm tur ani, heng ti tur hian mi 1-2 aia tam lo in chheh khat hi an buaipui tur ani.

- Vaimim leh badam herna khawl , loneitu ten an in hman tawm anih chuan , fai takin an vawng tur ani a , khawl Kuta an khawih lai bik te phei chu sahbawn nen uluk takin an silfai zel tur ani.

**Thlai thar dahthat leh hralh chhuah chungchang**

- Thlai phoro, tihfai , thliarhran leh fun hran lai a, hmaituam hian boruak thalo leh khu lak ah te a veng in thawk harsatna lam awm thei lakah te a veng thei.
- Be lam chi thlai te ro tha tak a pho a , kum hmasa lam a a dahna ip te hman nawn loh tur . 5% neem tui a chiah ip phoro hman tur ani.
- Thai thar te a phurh chhuahna ah leh a hralh na ah fimkhur thei ang bera kalpui tur.
- Thlai chi hralh chhuaktu ten an hralh chhuah na ah lehkha pawihmawh an neih chuan phurh chhuah phal sak an ni a , a man an dawnna ah an fimkhur tur a ni.
- Thlai chi siam chhuak tu ten thlai chi duh te hnena a, ahun dik tak a an pek chhuah theih hi a pawimawh ani.
- Tomato, zikhlum, parbawr leh thlai hnah hring ang chi te hralhchhuah kawng ah fimkhur tak a tih tur ani

**Thlai dinglai enkawl dan**

1. Wheat chingtute tan a seng hun a la tlaichhe lova, chhiatna lutuk awm lovin ruahmanna felfai tak siam chungin April ni 20 thleng pawh hian a la seng theih a ni.
2. Chhimlam state a thlasik buh chingtute tan tun ang hun hi buh natna chi khat (Neck blast) tam hun lai ani a, he buh natna venna atana damdawi (Fungicide) kah lai hian uluk leh fimkhur a ngai hle a ni.
3. Buh seng hun laia ruahtui a tlak hun loh laia a tlak chuan, buh chi a tiah loh nan Chi tui (Salt Solution) 5% a kah tur a ni.
4. Horticulture thlai thenkhat entir nan Theihai rah hunlai angah te hian chawtha pek leh thlai ven dawnin fimkhur a ngai in hmanrua kan hman te pawh fai taka sil thin tur a ni.
5. Nipui laia Be lam chi kan chin in virus natna thehdarhtu rannung chikhat (Whitefly) in harsatna a thlen loh nan fimkhur tur a ni.

**Issued for Public Interest by**

**Agriculture Technology Application Research Institute (ATARI)**

**Indian Council of Agricultural Research (ICAR)**
**Umiam, Barapani**

***Translated for circulation by***
**Krishi Vigyan Kendra**
**Kolasib District**
**Mizoram**

ORIYA

# କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣ (**COVID-**19) ହେତୁ ତାଲାବନ୍ଦ ଅବସ୍ଥାରେ କୃଷକ, କୃଷି ଓ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କ୍ଷେତ୍ର ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ

ଭାରତ ସରକାର ଜାରିକରିଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ* ଯାହା ଦ୍ୱାରା ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସତର୍କତା ସହିତ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କୃଷି ଏବଂ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କ୍ଷେତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ଜାରି ରହିବ। କୃଷକଙ୍କ ସୁବିଧା ପାଇଁ, ଏଗୁଡିକର ତାଲିକା ଏଠାରେ ପ୍ରଦତ୍ତ କରାଗଲା |

ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଜାରି କରାଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ

ଏହି ତାଲାବନ୍ଦରୁ ବାଦ ପଡିଥିବା ବା ପ୍ରଭାବିତ ହେଉନଥିବା ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଓ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ· ଗୁଡିକ ନିମ୍ନରେ ପ୍ରଦାନ କରାଗଲା

(କ) ପ୍ରାଣୀ ଚିକିତ୍ସା କେନ୍ଦ୍ର

(ଖ) କୃଷି ଦ୍ରବ୍ୟର ସର୍ବନିମ୍ନ ସହାୟକ ମୂଲ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ଅନୁଯାଇ ବିପଣନ ସହ ଜଡିତ ଥିବା ସଂସ୍ଥା

(ଗ) କୃଷିଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟ ବିପଣନ କମିଟି କିମ୍ୱା ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସୂଚିତ 'ମଣ୍ଡି'

(ଘ) କୃଷକ ଓ କୃଷି ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ

(ଙ) କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତି ଗୁଡିକୁ ଭଡା ସୂତ୍ରରେ ଦେଉଥିବା ସଂସ୍ଥା

(ଚ) ରାସାୟନିକ ସାର, କୀଟନାଶକ ଓ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ଏବଂ ଏହାର ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରୁଥିବା ସଂସ୍ଥା

(ଛ) କୃଷି ଓ ଉଦ୍ୟାନ କୃଷିରେ ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତ୍ରପାତି ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଏବଂ ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ଗମନା ଗମନ

(ଜ) କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତି, ଏହାର ଅତିରିକ୍ତ ଯନ୍ତ୍ରାଂଶ (ଏହାର ଯୋଗାଣ ଶୃଙ୍ଖଳା ଅନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତ କରି) ଏବଂ ମରାମତି ଦୋକାନ ଖୋଲା ରହିବ |

(ଝ) ରାଜପଥରେ ଟ୍ରକ୍ ମରାମତି ପାଇଁ ଥିବା ଦୋକାନଗୁଡ଼ିକ ବିଶେଷତ ପେଟ୍ରୋଲ ପମ୍ପରେ ଖୋଲା ରହିବ |

(ଞ) ବୃକ୍ଷରୋପଣ ସହିତ ଚା' ଶିଳ୍ପରେ ସର୍ବାଧିକ ଶତକଡା ୫୦ ଭାଗ ଶ୍ରମିକର ବ୍ୟବହାର

ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଗୃହ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (କ ରୁ ଛ), ଅର୍ଡର ନମ୍ବର ୪୦-୩/୨୦୨୦-ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪, ୨୫ ଏବଂ ୨୭ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ ଧାରା ୨, ୪, ୫ ଏବଂ ୬ ବ୍ୟତିରକେ; ଏବଂ ଏମ ଏଚ ଏ ଅର୍ଡର ନମ୍ବର ୪୦-୩/୨୦୨୦-ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪.୦୩. ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ ସଂଯୁକ୍ତ ହୋଇଥିବା ୪ର୍ଥ ଯୋଗପତ୍ର ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (ଜ ରୁ ଞ)ର ଏକୀଭୂତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ |

ଏହି ଛାଡଗୁଡିକ କୃଷି ଏବଂ କୃଷି ଆନୁଷଙ୍ଗିକ ସହ ଜଡିତ ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପକୁ ସହଜ କରିବ ଯାହା ଦ୍ୱାରା ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀ ଏବଂ କୃଷକମାନେ ତାଲାବନ୍ଦ ସମୟରେ କୌଣସି ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେବେ ନାହିଁ।

ତାଲା ବନ୍ଦ ସମୟରେ କୃଷି ଓ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯେପରି ବାଧା ନଆସିବ ଏବଂ କୃଷକ ମାନେ ଯେପରି ସେମାନଙ୍କର ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ଜିନିଷ ପାଇବାରେ କୌଣସି ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ନ ହୁଅନ୍ତି, ସେଥିପାଇଁ ଉପରୋକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ଗୁଡିକର ପାଳନ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସମସ୍ତ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ / ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଅବଗତି ପାଇଁ ପ୍ରେରଣା କରାଯାଇଛି |

<u>କୃଷକ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ</u>

<u>ଫସଲର ଅମଳ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ପରାମର୍ଶ</u>

କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣରେ ସାରା ଦେଶ କବଳିତ ଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ରବି ଫସଲ ଧୀରେ ଧୀରେ ଅମଳକ୍ଷମ ହେବାରେ ଲାଗିଛି | ଏଣୁ ଅଳ୍ପ ଦିନରେ ଏହାର ଅମଳ ଓ ବିପଣନ ପାଇଁ ପରିବହନ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଜରୁରୀ ହୋଇ ପଡିବ | ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ କୃଷକ ମାନଙ୍କୁ ସୂଚିତ

କରିଦିଆଯାଉଛି କି, ଏହି ସମୟରେ ସେମାନେ ଏହି ଭୁତାଣୁ ଜନିତ ରୋଗରୁ ନିଜକୁ ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ସାବଧାନତା ଓ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବେ | ସାଧାରଣ ସତର୍କତା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅନୁଯାଇ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରକ୍ଷା କରିବା ତଥା ଶରୀର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତାର ବିଭିନ୍ନ ଉପାୟ ଯେମିତିକି, ବାରମ୍ବାର ସାବୁନ ଦ୍ୱାରା ହାତ ଧୋଇବା, ମୁହଁରେ ମାସ୍କ ପିନ୍ଧିବା, ସୁରକ୍ଷିତ ବସ୍ତ୍ର ପରିଧାନ କରିବା ଏବଂ ସର୍ବୋପରି ଯନ୍ତ୍ରପାତି ଓ ଉପକରଣ ଗୁଡିକ ବିଶୋଧନ କରି ରଖିବା ପ୍ରଭୃତିକୁ ଗୁରୁତର ଭାବେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ପାଇଁ ଉଚିତ | କୃଷିଜୀବୀ ଶ୍ରମିକ ମାନଙ୍କୁ ସୂଚେଇ ଦିଆଯାଉଛି କି ଉପରୋକ୍ତ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ ସମୟରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ସୋପାନରେ ସେମାନେ ସାମାଜିକ ଦୂରତ୍ୱକୁ ବଜାୟ ରଖି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବେ |

ଉତ୍ତର ଭାରତର ଅନେକ ରାଜ୍ୟରେ ଯାନ୍ତ୍ରିକ ଉପାୟରେ ଗହମ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଗଲାଣି | ଉତ୍ପାଦିତ ଗହମକୁ ମାଲବାହୀ ଗାଡି ମାଧ୍ୟମରେ ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ଓ ଅନ୍ୟ ରାଜ୍ୟକୁ ଅନାୟସରେ ପରିବହନ କରାଯାଇ ପାରିବ | ଏହି ସମୟରେ ଯନ୍ତ୍ର ଗୁଡିକର ମରାମତି, ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ ସମସ୍ତ କୁଶଳୀ ଶ୍ରମିକ ମାନେ କୋରୋନା ରୋଗ ସଂକ୍ରମିତ ନହେବା ପାଇଁ ସବୁ ପ୍ରକାର ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଗ୍ରହଣ କରିବା ପାଇଁ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି

ଦେଶର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୁଖ୍ୟ ରବି ଫସଲ ହେଉଛି ସୋରିଷ | ଏହାର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ନହୁଏ

ମସୁର ଡାଲି , ମକା ଓ ଲଙ୍କା ଫସଲର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଚାଲୁ ରହିଛି ଏବଂ ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫସଲର ଅମଳ ଆସନ୍ନ ପ୍ରାୟ ଏଣୁ ଏହି ଫସଲ ଗୁଡିକର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ସୁରୁଖୁରରେ ଚାଲୁରହିବ ସେଥିପାଇଁ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବା ଉଚିତ |

ଆଖୁ ଉତ୍ପାଦନ ଚାଲୁ ରହିଥିବାବେଳେ କେତେକ ସ୍ଥାନରେ ଏହାର ଚାରା ରୋପଣ କାର୍ଯ୍ୟ ମଧ୍ୟ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଗଲାଣି|

ଯେଉଁ କୃଷି ଶ୍ରମିକ ମାନେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଫସଲ, ମାଛ, ଅଣ୍ଡା ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ଉତ୍ପାଦନ ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ ଅଛନ୍ତି, ସେମାନେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ସମୟରେ ସମସ୍ତ ପ୍ରକାର ଶରୀରର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା ଓ ସାମାଜିକ ଦୂରତ୍ୱ ବଜାୟ ରଖିବା ବିଧେୟ ଅଟେ |

ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଫସଲ କାଟିବା ସମୟରେ ୪ ରୁ ୫ ଫୁଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ପଟାଳୀ କରି ପ୍ରତି ପଟାଳୀରେ ଜଣେ ଲେଖାଏଁ  ଶ୍ରମିକ ରହିବେ ଯେମିତିକି ଉଚିତ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରହିପାରିବ |

ସମସ୍ତ ନିୟୋଜିତ ଶ୍ରମିକ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ମାସ୍କ ପିନ୍ଧିବା ସହ ନିୟମିତ ଅନ୍ତରାଳରେ ସାବୁନରେ ଭଲଭାବେ ହାତ ଧୋଇବା ଉଚିତ |

ଶ୍ରମିକମାନେ ବିଶ୍ରାମ ନେବା ସମୟରେ, ଖାଦ୍ୟ ଖାଇବା ସମୟରେ, କୃଷିଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟ ମୁଣ୍ଡରେ ପରିବହନ କରିବା ସମୟରେ, ଗାଡ଼ିରେ ମାଲ ଉଠେଇବା ଏବଂ ଓଲ୍ହେଇବା ସମୟରେ ୩ ରୁ ୪ ଫୁଟ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ବଜାୟ ରଖିବା ଦରକାର |

ଫସଲ କ୍ଷେତ କାମରେ ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ଦୈନିକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଅଧିକ ସଂଖ୍ୟକ ଶ୍ରମିକ ନିୟୋଜିତ କରିବାକୁ ମନା କରାଯାଇଛି

ଜଣାଶୁଣା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାର୍ଯ୍ୟ ରେ ଲଗାଇବା ସହ ସଂକ୍ରମିତ ଆଶଙ୍କା ଥିବା ଅବା ସନ୍ଦିଗ୍ଧ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାମରେ ନଲଗାଇବା ଉଚିତ

କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ବ୍ୟବହାର ଅଧିକ କରି ଏବଂ ଏହାକୁ ଚଳାଇବା ପାଇଁ ଅତି କମ ସଂଖ୍ୟକ ବ୍ୟାକ୍ତିଙ୍କୁ ନିୟୋଜିତ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଫାର୍ମ ର ପ୍ରବେଶ ଦ୍ୱାରରେ କୃଷି ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ନିୟମିତ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ସହ ପରିବହନ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଗାଡି ଓ ବସ୍ତା ଗୁଡିକୁ ମଧ୍ୟ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ଉଚିତ

ଅମଳ ହୋଇଥିବା କୃଷିଜାତ ପଦାର୍ଥକୁ ୩ ରୁ ୪ ଫୁଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ଛୋଟ ଛୋଟ ଗଦା କରି ରଖିବା ସହ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରିବା ପାଇଁ ଗଦା ପିଛା ଜଣେ ରୁ ୨ ଜଣ ଶ୍ରମିକ ନିୟୋଜିତ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଅମଳ ହୋଇଥିବା ମକା, ଚିନାବାଦାମ ପ୍ରଭୃତି ଫସଲରେ ମଞ୍ଜି ଛଡ଼ାଇବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ହାତରେ ଲାଗୁଥିବା ଅଂଶକୁ ନିୟମିତ ସାବୁନରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସଂରକ୍ଷଣ ଓ ବିପଣନ ବ୍ୟବସ୍ଥା

କୃଷିଜାତ ଉତ୍ପାଦ ଗୁଡିକୁ ଶୁଖେଇବା, ଉଡ଼ାଇବା, ସଫା କରିବା, ବାଛିବା ଏବଂ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବରେ ରଖିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ଜଳୀୟ ବାଷ୍ପ କଣା ଓ ଧୂଳି ନ ପଶିବା ପାଇଁ ମାସ୍କ ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଚିତ |

ଅମଳ କରାଯାଇଥିବା ଶସ୍ୟ, ମାଣ୍ଡିଆ, ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫସଲକୁ ଟାଣ ଖରାରେ ଶୁଖାଇବା ଉଚିତ | ପୂର୍ବରୁ ବ୍ୟବହୃତ ଝୋଟ ବସ୍ତା ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଏଥିରେ ପୋକ ଲାଗିବାର ସମ୍ଭାବନା ଅଧିକ ଥାଏ | ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଖିଲା ବସ୍ତାଗୁଡିକୁ 5 ପ୍ରତିଶତ ଲିମ୍ବ ତେଲ ଦ୍ରବଣରେ ଭିଜାଇ ଏବଂ ଶୁଖାଇ ଶସ୍ୟ ସଂରକ୍ଷିତ ରଖନ୍ତୁ |

ଭବିଷ୍ୟତରେ ଅଧିକ ଦରରେ ବିକ୍ରି ପାଇଁ ଉତ୍ପାଦ କୁ ନିକଟସ୍ଥ ଶୀତଳ ଭଣ୍ଡାର, ସରକାରୀ ଗୋଦାମ କିମ୍ବା ଭଡା ସୂତ୍ରରେ ଦିଆଯାଉଥିବା ଗୋଦାମ ଗୁଡିକରେ ଗଚ୍ଛିତ ରଖନ୍ତୁ |

କୃଷି ଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟର ପରିବହନ, ବିକ୍ରିବଟା ଓ ନିଲାମ ସମୟରେ ନିୟୋଜିତ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ପାଇଁ ସମ୍ଭାବ୍ୟ ସଂକ୍ରମଣରୁ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ ଆବଶ୍ୟକ |

ବିହନ ଉତ୍ପାଦନକାରୀ ନିଜର ଉତ୍ପାଦିତ ଦ୍ରବ୍ୟ ଗୁଡିକ ବିହନ ଉଦ୍ୟୋଗ ଗୁଡିକୁ ପରିବହନ କଲା ସମୟରେ ତଦସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଅନୁମୋଦନ ପତ୍ର ଓ କାଗଜ଼ ଗୁଡିକୁ ନିଜ ପାଖରେ ରଖିବା ସହ ଟଙ୍କା କାରବାର ସମୟରେ ସଂକ୍ରମିତ ନ ହେବା ପାଇଁ ଯତ୍ନଶୀଳ ହେବା ଉଚିତ |

ବର୍ତ୍ତମାନ ସମୟରେ କ୍ଷେତରେ ଥିବା ଫସଲର ପରିଚାଳନା ପରାମର୍ଶ

ଗହମ ଉତ୍ପାଦିତ ହେଉଥିବା ଅଞ୍ଚଳଗୁଡିକରେ ଏଇ ବର୍ଷ ତାପମାତ୍ରା ହାରାହାରି ଠାରୁ କମ ରହୁଥିବାରୁ ଗହମ ଅମଳ ସମୟକୁ ଅନାୟସରେ ଏପ୍ରିଲ ୨ 0 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଘୁଞ୍ଚାଯାଇପାରିବ | ଏହାଦ୍ୱାରା ଚାଷୀମାନେ କୌଣସି କ୍ଷତିର ସମ୍ମୁଖୀନ ନ ହେବା ସହ ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ବିକ୍ରିବଟା ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପରିଚାଳନା ବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଇଁ ଯଥେଷ୍ଟ ସମୟ ମିଳିବ|

ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ରବି ଧାନ ଫସଲର ଦାନା ପୂରଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଏହି ସମୟରେ ଗଳା ମହିଷା ରୋଗ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଅଛି | ତେଣୁ ଏହି ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପାଇଁ ଅନୁମୋଦିତ ଫିମ୍ପି ନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ସମୟରେ ନିୟୋଜିତ ଶ୍ରମିକ ନିଜର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟଗତ ସୁରକ୍ଷା ଦିଗରେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ନିହାତି ଆବଶ୍ୟକ |

ଧାନ ପାଚି ଯାଇଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ଯଦି ଅଦିନିଆ ବର୍ଷା ହୋଇ ଧାନ ଗଜା ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ଥାଏ, ତେବେ ଏହାର ନିରାକରଣ ପାଇଁ ୫ ପ୍ରତିଶତ ଲୁଣ ପାଣିର ଦ୍ରବଣ ଫସଲରେ ସିଞ୍ଚନ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଆମ୍ବ ଭଳି ଉଦ୍ୟାନ ଭିତ୍ତିକ ଫସଲରେ ଫଳ ଧରିବା ସମୟରେ ଖାଦ୍ୟ ସାର ଓ କୀଟନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ବେଳେ ଯଥେଷ୍ଟ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ ପୂର୍ବକ ବ୍ୟବହାର ପରେ ସ୍ପ୍ରେୟର କୁ ଭଲଭାବରେ ଡିଟରଜେଣ୍ଟରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଖରାଟିଆ ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫସଲରେ ଧଳାମାଛି ଜନିତ ସାହେବି ରୋଗ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା ସମୟରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଆବଶ୍ୟକ |

**PUNJABI**

# ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਕਾਰਨ ਲਾਕਡਾਊਨ ਅਵਧੀ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ ਤੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਖੇਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਸਹਿਤ ਨਿਰੰਤਰ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਕੁੱਝ ਅਹਿਮ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਅਤੇ ਸੁਵਿਧਾ ਲਈ ਇਹ ਆਦੇਸ਼ ਨਿਮਨ ਦਿੱਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ :-

## ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਜਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ *

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਛੂਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ:-

1. ਵੈਟਰਨਰੀ / ਪਸ਼ੂ-ਚਿਕਿਤਸਾ ਹਸਪਤਾਲ।
2. ਐਮਐਸਪੀ ਪਰਿਚਲਨਾਂ ਸਹਿਤ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿੱਚ ਲਗੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ।
3. ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜ ਮੰਡੀ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।
4. ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਖੇਤ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਖੇਤੀ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ।
5. ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਸਟਮ ਹਾਇਰਿੰਗ ਸੈਂਟਰ (CHC) ।
6. ਖਾਦ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਬੀਜ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਇਕਾਈਆਂ।
7. ਕੰਬਾਇਨ-ਹਾਰਵੈਸਟਰ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ/ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿੱਚ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਵਾਢੀ ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਅੰਤਰਰਾਜੀ ਆਵਾਜਾਈ।
8. ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਵਾਧੂ ਪੁਰਜੇ (ਸਪਲਾਈ ਚੇਨ) ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਇਕਾਈਆਂ ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ।
9. ਟਰੱਕਾਂ ਆਦਿ ਦੀ ਰਿਪੇਅਰ ਸੰਬੰਧੀ ਦੁਕਾਨਾਂ (ਖਾਸ ਕਰ ਪੈਟਰੋਲ ਪੰਪਾਂ 'ਤੇ ਖੁੱਲੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ) ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ ।
10. ਚਾਹ ਉਦਯੋਗ (ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ 50% ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨਾਲ) ਖੁੱਲੇ ਰਹਿਣਗੇ ।

* ਪਆਇੰਟ (1 ਤੋਂ 8) ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲਾ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ, ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020-ਡੀਐਮ-ਆਈ(ਏ) ਮਿਤੀ 24, 25 ਅਤੇ 27 ਮਾਰਚ, 2020), ਛੂਟਾਂ ਵਿੱਚ ਧਾਰਾ 2,4,5 ਅਤੇ 6 ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ; ਅਤੇ ਪਆਇੰਟ (8 ਤੋਂ 10) ਮਿਤੀ 24.03.2020 ਨੂੰ ਐਮ.ਐਚ.ਏ. ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020- ਡੀ.ਐਮ.-ਆਈ.-(ਏ) ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 4ਵੇਂ ਜੋੜ ਅਨੁਸਾਰ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੂਟਾਂ ਨਾਲ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦੇ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ। ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕਾਰਜ-ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮੰਤਰੀ-ਮੰਡਲਾਂ / ਰਾਜਾਂ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਿਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੀਤੀਗਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖੇਤਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੰਤਰਾਲਿਆਂ / ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ।

# ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ

## ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ

ਕਾਵਿਡ-19 ਦੇ ਫੈਲਣ ਦੇ ਖਤਰੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਰਬੀ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੇ ਪੱਕਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨੇੜੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਖੇਤੀ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮੰਡੀ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਗਤੀਸ਼ੀਲਤਾ, ਉਪਜ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ, ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਧਾਰਣ ਉਪਰਾਲਿਆ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ, ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਹੱਥ ਧੋਣੇ, ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣੇ, ਕੱਪੜੇ, ਉਪਕਰਨਾਂ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ।

ਖੇਤ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ ਵਿੱਚ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀਆਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

- ਕਈ ਉੱਤਰੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਬਾਹਰ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੁਰੰਮਤ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਸੰਚਾਲਨ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਸਰੋਂ ਦੂਸਰੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਰਬੀ ਫ਼ਸਲ ਹੈ, ਮੈਨੂਅਲ ਕਟਾਈ ਜ਼ੋਰਾਂ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿੱਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਟਾਈ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਉੱਥੇ ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਮਸੂਰ, ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਦੀ ਕਟਾਈ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੈ ਅਤੇ ਛੋਲੇ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪੱਕ ਰਹੇ ਹਨ।
- ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਬਲਕਿ ਮਾਰਚ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਲਈ ਵਧੀਆ ਹੈ।
- ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ, ਫ਼ਲਾਂ ਤੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਤੁੜਾਈ ਅਤੇ ਅੰਡੇ ਤੇ ਮੱਛੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਜੋ ਵਿਅਕਤੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮਕਾਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਢੀ / ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਮੈਨੂਅਲ ਫੀਲਡ ਸੰਚਾਲਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਇੱਕ ਪੱਟੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 4-5 ਫੁੱਟ ਦੂਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਸਟ੍ਰਿਪਸ ਵਿੱਚ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ। ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਕਾਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਢੁੱਕਵੀਂ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਸਹੀ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਹੱਥ ਧੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਆਰਾਮ ਕਰਨ, ਭੋਜਨ ਕਰਨ, ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਪੁਆਇੰਟ 'ਤੇ, ਉਪਜ ਨੂੰ ਇੱਕ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈ ਜਾਣ, ਲੋਡਿੰਗ/ਅਨਲੋਡਿੰਗ ਦੌਰਾਨ 3-4 ਫੁੱਟ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ, ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਕੋ ਅਤੇ ਇੱਕੋ ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਚੋ।
- ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਸ਼ੱਕੀ ਜਾਂ ਸੰਭਾਵਿਤ ਕੈਰੀਅਰ/ਵਾਹਨ ਦੇ ਦਾਖਿਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਕੇਵਲ ਜਾਣੂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਸਹੀ ਪੁੱਛ-ਪੜਤਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ ਮਸ਼ੀਨੀਕ੍ਰਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿਉ। ਮਸ਼ੀਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰੋ।
- ਸਾਰੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਐਂਟਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਉੱਤੇ ਅਤੇ ਨਿਯਮਿਤ ਅੰਤਰਾਲਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਯਾਤਰੀ ਵਾਹਨ, ਪੈਕਿੰਗ ਸਮੱਗਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਸਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

- ਉਪਜ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ 3-4 ਛੋਟੇ ਢੇਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਭੀੜ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਖੇਤਰ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ ਦਾ ਕੰਮ 1-2 ਵਿਅਕਤੀਆਂ / ਢੇਰ ਨੂੰ ਸੌਂਪਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਜਦੋਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸਮੂਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਵੱਢੀ ਹੋਈ ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮੂੰਗਫਲੀ ਲਈ ਥ੍ਰੈਸ਼ਰਾਂ ਨੂੰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਵੱਛਤਾ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਾਈ ਰੱਖੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਧੋਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

## ਵੱਢੀ ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ, ਸਟੋਰੇਜ ਅਤੇ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ

- ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਫ਼ਸਲਾਂ ਨੂੰ ਸੁਕਾਉਣ, ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ, ਵਿਨੋਇੰਗ, ਸਫ਼ਾਈ, ਗਰੇਡਿੰਗ, ਸ਼੍ਰੇਣੀਬੱਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦਿਆਂ ਐਰੋਸੋਲ ਅਤੇ ਧੂੜ ਕਣਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂ ਸਾਹ ਸੰਬੰਧੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਚਿਹਰੇ ਦੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ ਨਾਲ ਇਹਨਾਂ ਵਿਰੁੱਧ ਮਦਦ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।
- ਘਰ ਵਿੱਚ ਕੱਢੇ ਹੋਏ ਅਨਾਜ, ਬਾਜਰਾ ਅਤੇ ਦਾਲਾਂ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕੇ ਹੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਕਰੋ ਅਤੇ ਕੀੜੇ ਦੇ ਰੋਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪਿਛਲੇ ਸੀਜ਼ਨ ਦੇ ਜੂਟ ਬੈਗਾਂ ਦਾ ਦੁਆਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ। 5% ਨਿੰਮ ਦੇ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਭਿੱਜਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਸੁੱਕੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।
- ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਆਸ-ਪਾਸ ਦੇ ਕੋਲਡ ਸਟੋਰੇਜ / ਗੋਦਾਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਜੂਟ ਦੇ ਬੈਗਾਂ ਵਿੱਚ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਉਪਜ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਜੇਕਰ ਮੰਡੀ / ਸ਼ਾਪਿੰਗ ਪਲੇਟਫਾਰਮ 'ਤੇ ਵਿਕਰੀ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜਾਂ ਦੀ ਲੋਡਿੰਗ ਅਤੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਅ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
- ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਬੀਜ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਣ ਅਤੇ ਭੁਗਤਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ / ਪੈਕਿੰਗ ਅਤੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟੇਸ਼ਨ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਰਾਜਾਂ (ਦੱਖਣ ਤੋਂ ਉੱਤਰ) ਤੋਂ ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਉਣੀ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ।
- ਟਮਾਟਰ, ਗੋਭੀ, ਹਰੀਆਂ ਪੱਤੇਦਾਰ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਖੀਰੇ ਵਰਗੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

## ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਫਸਲਾਂ

- ਕਣਕ ਉਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਤਾਪਮਾਨ ਅਜੇ ਵੀ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਔਸਤ ਨਾਲੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ 'ਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 10-15 ਦਿਨ ਹੋਰ ਦੇਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਘਾਟੇ ਦੇ 20 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੱਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਖਰੀਦਦਾਰੀ ਅਤੇ ਤਰੀਕਾਂ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰਸਦ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
- ਦੱਖਣੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚ ਰਬੀ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਦਾਣਾ ਬਣਦੇ ਸਮੇਂ ਨੇਕ ਬਲਾਸਟ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਪ੍ਰੇ / ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਿਤ ਉੱਲੀਮਾਰ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਸਮੇਂ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਦੀ ਵਾਢੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਿਸੇ ਗੈਰ ਮੌਸਮੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ, ਦਾਣਿਆਂ ਦੇ ਉੱਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ 5% ਲੂਣ ਦੇ ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
- ਬਾਗਬਾਨੀ ਫਸਲਾਂ ਜਿਵੇਂ ਅੰਬਾਂ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪੌਸ਼ਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸੰਬੰਧੀ ਖੇਤਰੀ ਕੰਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਦਾਲਾਂ ਵਿੱਚ, ਪੀਲੇ ਮੋਜ਼ੈਕ ਵਿਸ਼ਾਣੂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਹਿਟਫਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

**TAMIL**

***<u>கொரோனா (COVID-19) நோய்த்தொற்றின் காரணமாக ஏற்பட்டுள்ள தடை காலத்தில் விவசாயிகள் மற்றும் விவசாயத் துறைக்கான வேளாண் ஆலோசனை:</u>***

இந்திய அரசு வழிமுறைகளைக் கொண்டு வந்துள்ள காரணத்தினால்*.முக்கியமான விவசாயம் மற்றும் விவசாயம் சார்ந்த துறை செயல்பாடுகள் பரிந்துரைக்கப்பட்ட முன்னெச்சரிக்கைகளுடன் தொடர்ந்து நடைபெறுகின்றன. விவசாயிகளின் நலன்களுக்காக, இவை தனியாக பிரித்தெடுக்கப்பட்டு இங்கே பட்டியலிடப்பட்டுள்ளது.

**தடை காலத்தில் விலக்களிக்கப்பட்ட விவசாயம் மற்றும் அதன் சார்பு துறைகள்/ செயல்பாடுகள்:**

i. கால்நடை மருத்துவமனைகள்
ii. குறைந்த பட்ச ஆதார விலை நிர்ணயிக்கும் செயல்பாடுகள் உள்ளிட்ட வேளாண் பொருட்கள் கொள்முதல் செய்யும் நிறுவனங்கள்
iii. வேளாண் உற்பத்தி சந்தைக் குழுவால் இயக்கப்படும் அல்லது மாநிலத்தால் அறிவிக்கப்பட்ட மண்டிகள்
iv. வயலில் விவசாயிகள் மற்றும் பண்ணைத் தொழிலாளர்கள் மேற்கொள்ளும் விவசாய நடவடிக்கைகள்
v. பண்ணை இயந்திரங்கள் தொடர்பான இயந்திரங்கள் வாடகைக்கு விடும் மையங்கள் (CHC)
vi. உரங்கள், பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் விதைகளின் உற்பத்தி மற்றும் விற்பனை அலகுகள்/ கடைகள்
vii. மாநிலத்திற்கு உட்பட்ட மற்றும் மாநிலங்களுக்கிடையிலான அறுவடை விதைப்பு கருவிகள் வேளாண் தோட்டக்கலை இயந்திரங்கள்.
viii. வேளாண் இயந்திரங்களின் கடைகள், அதன் உதிரி பாகங்கள் (அதன் விநியோகம் நிறுவனங்கள் உட்பட) மற்றும் பழுதுபார்ப்பு கடைகள் திறக்கப்பட்டுள்ளன.
ix. நெடுஞ்சாலைகளில் லாரி பழுதுபார்க்கும் கடைகள், முக்கியமாக எரிபொருள் நிலையங்களுக்கு அருகாமையில் உள்ள கடைகள்.
x. டீ தூள் தயாரிக்கும் நிறுவனங்கள் , மற்றும் 50 % வேலையாட்களுக்கு மிகாமல் தேயிலை தோட்டங்களில் செயல்பாடுகள்.

*** (i முதல் vii புள்ளிகள் வரை)- இந்திய அரசின் உள்துறை அமைச்சகத்தின் மார்ச் 2020, 24, 25 மற்றும் 27 தேதியிட்ட ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A), 2, 4, 5 மற்றும் 6 ஆகிய பிரிவுகளி சேர்த்தல் மற்றும் விதிவிலக்குகளின் படி; மற்றும்**
*** (viii முதல் x புள்ளிகள் வரை)- 24.03.2020 தேதியிட்ட உள்துறை அமைச்சகத்தின் ஒருங்கிணைந்த வழிகாட்டுதல்களுக்கான 4 வது கூடுதல் படியின் ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A) படி .**

இந்த விலக்குகள் வேளாண்மை மற்றும் வேளாண்மை தொடர்பான தடையற்ற நடவடிக்கைகளுக்கு வழிவகுக்கும், இதனால் தடை காலத்தின் போது

விவசாயிகளுக்கு தேவையான அத்தியாவசிய பொருட்கள் கிடைப்பதில் எந்த சிரமத்தையும் சந்திக்க மாட்டார்கள்.

அரசாங்கத்தின் கொள்கை வழிமுறைகளின் அடிப்படையில், மாநில அரசுகளின் பல்வேறு அமைச்சகங்கள் / துறைகள் வேளாண்மை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய துறைகளில் தொடர்ந்து செயல்பாடுகள் நடை பெறுவதற்கு உரிய வழிமுறைகளை வழங்கியுள்ளது.

**விவசாயிகளுக்கான அறிவுரைகள்**

***<u>பயிர்கள் அறுவடை செய்தல் மற்றும் விதைத்தல்:</u>***

கொரோனா(COVID-19) பரவலின் அச்சுறுத்தலுக்கு மத்தியில், ரபி பயிர்கள் முதிர்ச்சியை நெருங்குகின்றன. அறுவடை மற்றும் வேளாண் உற்பத்தி பொருட்களை கையாளுதல் விற்பனைக் கூடங்களுக்கு எடுத்துச் செல்லுதல் ஆகிய அனைத்து செயல்பாடுகளுமே குறித்த காலத்தில் நடைபெறுதல் அவசியமாகும். இருப்பினும், நோயைத் தடுக்க எடுக்க வேண்டிய முன்னெச்சரிக்கைகள் மற்றும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை அதாவது சமூக விலகல், தனிப்பட்ட சுகாதாரத்தை பேணுதல், சோப்பு கொண்டு கைகளை கழுவுதல் , முகக் கவசம் அணிதல், பாதுகாப்பு ஆடை அணிதல், கருவிகள் மற்றும் இயந்திரங்களை சுத்தம் செய்தல் கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும். ஆகவே வயலில் நடைபெறும் ஒவ்வொரு செயல்பாட்டிலும் விவசாயிகள் மற்றும் தொழிலாளர்கள் ஒவ்வொரு அடியிலும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் மற்றும் சமூக தூரத்தை பின்பற்ற வேண்டும்.

- பல வட மாநிலங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் மேற்கொள்ளும் கோதுமை அறுவடைக் காலம் நெருங்குகிறது. மாநிலத்திற்குள்ளும் மாநிலங்களுக்கு இடையிலும் அவர்களின் இயக்கம் அனுமதிக்கப்பட்டுள்ளது. பழுது, பராமரிப்பு மற்றும் அறுவடை நடவடிக்கைகளில் ஈடுபடும் தொழிலாளர்களின் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் உறுதி செய்யப்பட வேண்டும்.
- கடுகு இரண்டாவது முக்கியமான ரபி பயிர், தற்பொழுது அறுவடை நடந்து வருகிறது மற்றும் ஏற்கனவே அறுவடை செய்யப்பட்ட பயிர் கதிரடிக்கப்பட உள்ளது.
- மேலும் பயறு, மக்காச்சோளம் மற்றும் மிளகாய் அறுவடையும் நடந்து வருகிறது
- தற்பொழுது கரும்பு அறுவடை உச்சத்தில் உள்ளது, மேலும் இது வடக்கில் கரும்பு நடவு செய்வதற்கான நேரமாகும்.
- பயிர்கள், பழங்கள், காய்கறிகள், முட்டை மற்றும் மீன்கள் அறுவடையில் ஈடுபடுவோர் அறுவடைக்கு முன்பும் அறுவடையின்போது மற்றும் அறுவடை முடிந்த பிறகும் தனிப்பட்ட சுகாதாரம் மற்றும் சமூக தூரத்துக்கான அனைத்து நடவடிக்கைகளையும் பின்பற்ற வேண்டும்.
- அறுவடை / பறிக்கும் செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும் போது விவசாயிகள் / தொழிலாளர்கள் 4 முதல் 5 அடி இடைவெளிவிட்டு செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ள வேண்டும். இது செயல்பாடுகளை

மேற்கொள்பவர்களுக்கு இடையில் போதுமான இடைவெளியை உறுதி செய்யும்.

- அனைவரும் முக கவசம் அணிவது மற்றும் குறித்த இடைவெளியில் கைகளை கழுவுவதை கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும்.
- விவசாய செயல்பாடுகளுக்கு இடையில் ஓய்வு எடுக்கும்போதும் உணவு உட்கொள்ளும் போதும் வேளாண் பொருட்களை சேகரிக்கும் போதும் ஏற்றி இறக்கும் போதும் பாதுகாப்பான இடைவெளியாக 3 முதல் 4 அடி இடைவெளியினை பராமரிக்க வேண்டும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் கள செயல்பாடுகளை கால தாமதப்படுத்தி, அதிக எண்ணிக்கையிலான நபர்கள் அதே நாளில் ஈடுபடுவதைத் தவிர்க்க வேண்டும்.
- முடிந்தவரை குடும்பத்தில் உள்ளவர்கள் மற்றும் தெரிந்தவர்களை மட்டுமே ஈடுபடுத்த வேண்டும் அல்லது முறையான விசாரணைக்குப் பின் தொழிலாளர்களை ஈடுபடுத்தலாம் இதன்மூலம் நோய் தொற்று இருப்பவர்கள் அல்லது சந்தேகத்துக்கு உரியவர்களை தவிர்க்க முடியும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் வேளாண் செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ளலாம். மேலும் குறைந்த எண்ணிக்கையில் மட்டுமே நபர்கள் இயந்திரத்துடன் செல்ல அனுமதிக்கப்பட வேண்டும்.
- அனைத்து இயந்திரங்களும் நுழைவு இடத்திலும் சரியான இடைவெளியிலும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும். அனைத்து போக்குவரத்து வாகனங்கள், கோனி சாக்கு பைகள் அல்லது பிற பேக்கேஜிங் பொருட்களும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும்.
- விளைபொருட்களை சேகரிக்கும்போது 3-4 அடி இடைவெளியில் சிறிய குவியல்கள் ஆக்கவேண்டும். கூட்டத்தைத் தவிர்ப்பதற்கு 1-2 நபர்கள்/ குவியலுக்கு என ஒதுக்கப்பட வேண்டும்.
- மக்காச்சோளம் மற்றும் நிலக்கடலை அறுவடை செய்யும் இயந்திரங்களின் துப்புரவு மற்றும் தூய்மை முறையாக பராமரிக்கப்பட வேண்டும். உழவர் குழுக்களால் இயந்திரங்கள் பகிரப்பட்டு பயன்படுத்தப்படும்போது அடிக்கடி கைகள் படும் பாகங்களில் சோப்பை கொண்டு கழுவி தூய்மை செய்ய அறிவுறுத்தப்படுகிறது.

**<u>அறுவடைக்கு பிந்தைய, சேமிப்பு மற்றும் பண்ணை விளைபொருட்களின் விற்பனை:</u>**

- விளைபொருட்களை உலர்த்துதல் அடித்தல் தூற்றுதல் சுத்தம் செய்தல் தரம்பிரித்தல், அடுக்குதல் மற்றும் மூட்டை பிடித்தல் ஆகிய செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும்போது, முக கவசம் அணிந்து செய்வதன் மூலம் காற்றின் வழியாக தூசு, மூச்சு குழலில் சென்று சுவாச கோளாறு ஏற்படுவதை தவிர்க்க முடியும்.
- அறுவடை செய்யப்பட்ட தானியங்கள், சிறுதானியங்கள், பருப்பு வகைகள் பண்ணை வீட்டில் சேமிப்பதற்கு முன் சரியான உலர்த்தலை உறுதிசெய்செய்ய வேண்டும். பூச்சி தொற்றுநோயைத் தடுக்க முந்தைய பருவங்களில் பயன்படுத்திய சணல் பைகளை மீண்டும் பயன்படுத்த வேண்டாம். 5% வேப்பம் கரைசலில் சிகிச்சையளிக்கப்பட்ட மற்றும் உலர்த்திய பைகளை பயன்படுத்தவும்.

- உற்பத்தி செய்யப்படும் விளைபொருட்கள் சிறந்த விலை கிடைப்பதற்கு சணல் பைகளில் சேமிக்க போதுமான முன் எச்சரிக்கைகள் எடுக்கப்பட வேண்டும். விவசாயிகளுக்கு பண்ணையில் அல்லது அருகிலுள்ள குளிர் சேமிப்பகங்கள் / கோடவுன்கள் / கிடங்குகளில் போதுமான எண்ணிக்கையில் சணல் பைகளில் சேமிக்க வேண்டும்.
- பண்ணை விளைபொருட்களை ஏற்றுவதற்கும் கொண்டு செல்வதற்கும், சந்தைகள் / ஏல தளங்களில் விற்பனையில் பங்கேற்கும்போதும் போதுமான தனிப்பட்ட பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் எடுத்துக்கொள்ள வேண்டும்.
- விதை உற்பத்தியாளர் விவசாயிகளுக்கு விதைகளை துணை ஆவணங்களுடன் விதை நிறுவனங்களுக்கு கொண்டு செல்ல அனுமதி உண்டு. மேலும் அவர்கள் பணம் பெறும்போது முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- விதை பதப்படுத்துதல் / பேக்கேஜிங் ஆலைகள் மற்றும் விதை உற்பத்தி செய்யும் மாநிலங்களிலிருந்து (தெற்கிலிருந்து வடக்கு) கரீப் பருவ பயிர்களுக்கான விதை தேவைப்படும் மாநிலங்களுக்கு தேவையான அளவு விதை இருப்பு இருக்க வேண்டும். உதாரணமாக வடக்கில் ஏப்ரல் மாதத்தில் விதைப்பதற்கு பசுந்தீவனத்திற்கான எஸ்.எஸ்.ஜி விதை தென் மாநிலங்களிலிருந்து வருகிறது .

- தக்காளி, காலிஃபிளவர், பச்சை இலை காய்கறிகள், வெள்ளரிகள் மற்றும் பண்ணைகளிலிருந்து வரும் பிற கொடி வகை காய்கறிகள் போன்ற காய்கறிகளை நேரடியாக விற்பனை / வழங்குவதற்கு தேவையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.

**<u>வயலில் வளர் நிலையில் உள்ள பயிர்கள்:</u>**

- கோதுமை வளரும் பெரும்பாலான பகுதிகளின் வெப்பநிலை இன்னும் நீண்ட கால சராசரிக்குக் குறைவாகவே உள்ளது. ஏப்ரல் 10 க்கு அப்பால் குறைந்தது 10-15 நாட்களுக்கு கோதுமை அறுவடை தாமதப்படுத்தலாம், எனவே விவசாயிகள் கோதுமையை எந்தவொரு குறிப்பிடத்தக்க இழப்பும் ஏற்படாமல் ஏப்ரல் 20 வரை தாமதப்படுத்தலாம், இது கொள்முதல் தளவாடங்கள் மற்றும் தேதிகள் அறிவிப்பதற்கான போதுமான நேரத்தை அளிக்கிறது.
- தென்மாநிலங்களில் கதிர் பால் பிடிக்கும் பருவத்தில் உள்ள ரபி நெற்பயிரில் கழுத்து குலை நோய் பரவலாக காணப்படுகிறது. பரிந்துரைக்கப்பட்ட பூஞ்சைக் கொல்லி மருந்தினை தெளிக்கும் போது முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- நெல் அறுவடை கட்டத்தில் ஏதேனும் பருவ மழை பெய்தால், விதை முளைப்பதை தடுக்க 5% உப்பு கரைசலை தெளிக்கவும்.
- மாம்பழம் போன்ற பழம்தரும் கட்டத்தில் உள்ள தோட்டக்கலை பயிர்களில், நுண்ணூட்டச்சத்து அளித்தல் பயிர் பாதுகாப்பு போன்ற வயல் தொடர்பான நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ளும்போது அதற்கான இடுபொருட்களை கையாளுதல் தெளிப்பு செய்தல் மற்றும் அதற்கு

தேவைப்படும் உபகரணங்களைத் கழுவுதல் போன்றவற்றின் முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ள வேண்டும்.

- கோடை பருவத்தில் நெல் தரிசு வயலில் உள்ள பயறுவகை பயிர்களில் மஞ்சள் தேமல் நோய் வராமல் தடுப்பதற்கு முறையான வெள்ளை ஈ மேலாண்மை முறைகளை பாதுகாப்புடன் மேற்கொள்ள வேண்டும்

**TELUGU**

## కోవిడ్-19 కారణంగా లాక్ డౌన్ సమయంలో రైతులకు మరియు వ్యవసాయ రంగానికి సంబంధించిన వ్యవసాయ మార్గదర్శకాలు

వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్యక్రమాలను యధావిధిగా కొనసాగించడానికి భారత ప్రభుత్వము కొన్ని ముఖ్యమైన మార్గదర్శకాలు* జారీ చేయడం జరిగింది. రైతుల ప్రయోజనాలను దృష్టిలో వుంచుకొని వాటిని క్రింద తెలియజేయడం జరిగింది.

**వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యక్రమాలు లాక్ డౌన్ నుండి మినహాయించబడినవి***

i. పశువైద్యశాలలు
ii. వ్యవసాయ ఉత్పత్తులను సేకరించే కేంద్రాలు, కనీస మద్ధతు ధర కార్యకలాపాలతో సహా
iii. మార్కెట్ కమిటీల ద్వారా నడుపబడే వ్యవసాయ మార్కెట్లు లేదా రాష్ట్ర ప్రభు త్వాల ద్వారా ఆమోదించబడిన మార్కెట్లు
iv. రైతులు మరియు వ్యవసాయ కూలీల ద్వారా నిర్వహించే వ్యవసాయ పనులు
v. వ్యవసాయ యంత్రాలను సరఫరా చేసే కస్టమ్ హైర్ సెంటర్లు
vi. ఎరువులు, పురుగు మందులు మరియు విత్తనాల ఉత్పత్తి మరియు ప్యాకేజింగ్ యూనిట్లు
vii. వ్యవసాయంలో కోతలు మరియు నాటుకు/ విత్తేందుకు అవసరమైన యంత్రాలను అనగా కంబైన్డ్ హార్వెస్టర్లు మరియు ఇతర వ్యవసాయ/ ఉద్యాన పరికరాలు రాష్ట్రాల లోపల మరియు అంతరాష్ట్ర రవాణా
viii. వ్యవసాయ యంత్ర పరికరాలు మరియు యంత్రాల విడి భాగాలకు సంబంధించిన షాపులు (తయారు చేసే కంపెనీలతో సహా), అలాగే మరమ్మత్తు చేసే షాపులు తెరిచే వుంటాయి.
ix. ట్రక్కులు మరమ్మత్తు చేసే షాపులు జాతీయ రహదారులపై ముఖ్యంగా పెట్రోల్ మరియు డీజల్ షాపులు దగ్గరగా ఏర్పాటు
x. తేయాకు పరిశ్రమ, నాటడంతో సహా, 50శాతం వరకు కూలీలను వుపయోగించి

*మార్గదర్శకాలు (i నుండి vii) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన నెం. 40-3/2020-డిఎం-I(ఎ) తేది: 24, 25, మరియు 27 మార్చి, 2020 అదనంగా చేర్చిన క్లాజ్ లు 2,4,5 – మరియు 6 లలో ఇవ్వబడిన మినహాయింపులు , మార్గదర్శకాలు (viii నుండి x) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన నెం. 40 -3/2020- డిఎం-I(ఎ) తేది: 24 మార్చి, 2020 ప్రకారం 4వ సంబంధిత సమాచారాన్ని క్రోడీకరించిన మార్గదర్శకాలు.

ఈ మినహాయింపులు రైతులకు అవసరమైన అన్ని కారకాలు లభ్యమవ్వడం ద్వారా ఎటువంటి కష్టం లేకుండా వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్యక్రమాలు లాక్ డౌన్ సమయంలో నిరాటంకంగా నిర్వహించడానికి వెసులుబాటు కలిగిస్తుంది.

భారత ప్రభుత్వం వారి విధాన పరమైన మార్గ నిర్దేశకాలను అనుసరించి వివిధ మంత్రిత్వ శాఖలు మరియు రాష్ట్రాల శాఖలు అమలు చేయవలసిన మార్గదర్శకా లు వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యకలాపాలు కొనసాగేలా జారీ చేయబడినది.

**<u>రైతులకు సూచనలు:</u>**

**<u>పంట కోత మరియు నూర్పిడి:</u>**

కోవిడ్-19 ప్రబలిన ఈ సందర్భంలో, రబీ పంటలు కోత దశలో ఉన్నాయి. కోత మరియు కోత తరువాత మార్కెట్ కు తరలింపు అనేవి సమయానుకూలంగా జరుపవలసినవి కావున తప్పని సరి. కానీ, రైతులు తప్పని సరిగా వ్యాధి వ్యాప్తిని నివారించేలా తగు జాగ్రత్తలు మరియు రక్షణ చర్యలు తీసుకోవాలి. సులభమైన విధానాలైన సామాజిక దూరం పాటించడం, తరచు సబ్బుతో చేతులు కడుక్కోవడం, మాస్కులు ధరించడం, రక్షణ దుస్తులు ధరించడం, వ్యవసాయ పరికరాలు మరియు యంత్రాల శుభ్రత, పని చేసే వారి రక్షణ మరియు సామాజిక దూరం ప్రతీ కార్యక్రమంలో క్షేత్రాలలో పాటించడం తప్పనిసరి.

- కోత పరికరాలైన కంబైన్డ్ హార్వెస్టర్లు రాష్ట్రాలలో మరియు రాష్ట్రాల వెలుపల నుండి రవాణాకు అనుమతించబడినవి. తగు రక్షణ చర్యలు వాటి రిపేరు మరియు వినియోగం సమయంలో పాటించాలి.
- మొక్కజొన్న, అపరాలు మరియు మిరప పంటల కోత సమయం ఆసన్నమైంది.
- అన్ని వ్యవసాయ ఉత్పత్తులు అనగా ధాన్యం, పండ్లు, కూరగాయలు, గ్రుడ్లు, చేపలు కోత/పట్టే సమయంలో పనిచేసే అందరూ తప్పని సరిగా వ్యక్తిగత శుభ్రత మరియు సామాజిక దూరం పాటించాలి.
- కోత సమయంలో 4-5 అడుగుల దూరం ఒక భాగంగా గుర్తించి ఒక్కొక్కరు, ఒక్కొక్క భాగంలో పని చేసేలా చేయడం ద్వారా వ్యవసాయ కూలీల మధ్య సరియైన సామాజిక దూరం ఉండేలా చూడవచ్చు.
- పొలాలలో పనిచేసే ప్రతి ఒక్కరు తప్పని సరిగా మాస్కులు ధరంచడం మరియు నిర్దేశిక సమయంలో చేతులు సబ్బుతో కడుక్కోవడం తప్పనిసరిగా పాటించాలి.
- విశ్రాంతి తీసుకునే సమయంలో, భోజన సమయంలో, పంటను ఒక దగ్గరకు చేర్చే సమయంలో బండ్లలోనికి ఎత్తే సమయంలో మరియు దించే సమయంలో ఒకరికొకరు 3-4 అడుగుల దూరం తప్పని సరిగా పాటించాలి.
- సాధ్యమైనంత వరకు వ్యవసాయ పనులను అవసరాన్ని బట్టి విభజించి చేయడం ద్వారా ఒకే రోజు ఎక్కువ మంది కూలీలను పెట్టకుండా నివారించాలి.

- వ్యవసాయ పనులకు తెలిసిన వారిని మాత్రమే వినియోగించడంతో పాటు వారి ఆరోగ్య పరిస్థితిని విచారించి తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.
- వీలైనంత వరకు యంత్రాలను వినియోగించాలి, అవసరం మేరకు మాత్రమే వ్యవసాయ కూలీలను యంత్రాలతో పాటు వినియోగించాలి.
- అన్ని రకాల యంత్ర పరికరాలను క్షేత్రంలో వాడకానికి ముందు వాడే సమయంలో పూర్తిగా శుభ్రపరచాలి. అన్ని రవాణా వాహనాలు, సంచులు మరియు ఇతర ప్యాకింగ్ సామాగ్రి శుభ్రపరచాలి.
- పంటను కోత అనంతరం చిన్న చిన్న కుప్పలుగా 3-5 అడుగుల దూరంలో పోగుచేయడం ద్వారా కుప్పకు ఒకరి చొప్పున నిలబడి ఇతర కార్యక్రమాలు నిర్వహించేలా చర్యలు చేపట్టాలి.
- వేరుశనగ మరియు మొక్కజొన్న త్రెషర్లు వంటి యంత్రాలను ఒక రైతునుండి ఇంకొక రైతుకు మార్పిడి చేసుకునేటప్పుడు శుభ్రం చేసి వినియోగించాలి, ముఖ్యంగా యంత్రంలో తరచూ ముట్టుకునే భాగాలను సబ్బుతో విధిగా శుభ్రం చేయాలి.

**<u>పంట కోత అనంతరం, నిల్వ మరియు మార్కెటింగ్:</u>**

- పంటను ఎండబెట్టేటప్పుడు, నూర్పిడి, తూర్పార పట్టడం, శుభ్రం చేయడం, గ్రేడింగ్, ప్యాకింగ్ వంటి కార్యక్రమాలు చేసే టప్పుడు మాస్కులు ధరించడం ద్వారా శ్వాస సంబంధమైన ఇబ్బందులు రాకుండా నియంత్రించవచ్చు.
- ధాన్యాలు, చిరుధాన్యాలు, అపరాల వంటివి గృహ/ క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వ ఉంచేటప్పుడు సరిగా ఎండబెట్టాలి. నిల్వకొరకు పాత గోనె సంచులను వాడడం వలన పురుగు వ్యాపిస్తుంది కనుక గోనె సంచులను 5 % వేప ద్రావణంలో ముంచి ఎండబెట్టి వినియోగించాలి.
- పంటను క్షేత్రస్థాయిలో నిల్వకు తగినన్ని గోనె సంచులను వినియోగించాలి లేదా దగ్గరలోని కోల్డ్ స్టోరేజీలు/ గోదాములు/ గిడ్డంగులు వినియోగించి సరియైన ధర వచ్చిన తరువాత అమ్మేట్టు చర్యలు చేపట్టాలి.
- రైతులు పంటను లోడింగ్ చేసేటప్పుడు, రవాణా సమయంలో, మార్కెట్లలో అమ్మేటప్పుడు మరియు ఆక్షన్ ప్లాట్ ఫారంల వద్ద తగు వ్యక్తిగత సంరక్షణ చర్యలు పాటించాలి.
- విత్తన ఉత్పత్తి చేసే రైతులు పంటను విత్తన కంపెనీలకు రవాణా చేయడానికి తగు పత్రాలు చూపి రవాణా చేసుకోవచ్చు. విధిగా తగు సంరక్షణ చర్యలు చేపట్టాలి మరియు వారినుండి నగదు పోందే విషయంలో జాగ్రత్తలు పాటెంచాలి.
- విత్తన శుద్ధి/ప్యాకింగ్ ప్లాంట్లు మరియు రాష్ట్రాల మధ్య విత్తన రవాణాకు అనుమతించబడినది. దీని ద్వారా ఖరీఫ్ సాగుకు అవసరమైన విత్తనాల కొరత లేకుండా చూడడం అత్యంత ఆవశ్యం.
- కూరగాయలైన టమాట, కాలీఫ్లవర్, ఆకుకూరలు, తీగజాతి కూరగాయలు వంటివి నేరుగా మార్కెటింగ్ చేసే సమయంలో తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.

**ఎదుగుదల దశలో ఉన్న పంటలు:**

- రబీ వరి గింజ పాలు పోసుకునే దశలో ఉన్న దక్షిణాది రాష్ట్రాలలో మెడ విరుపు తెగులు అధికంగా నష్టపరిచే అవకాశం ఉంది. కావున అవసరమైన శీలీంధ్ర నాశినులను రైతులు పిచికారి చేయాలి.
- వరి కోతల సమయంలో అకాల వర్షం వస్తే 5 % ఉప్పు నీటి ద్రావణాన్ని పిచికారి చేయడం ద్వారా మొలక రాకుండా నివారించాలి.
- మామిడి వంటి ఉద్యాన పంటలలో తోటలలో పోషకాల పిచికారి సస్యరక్షణ చర్యలు చేపట్టే సమయంలో కారకాల వినియోగం, కలపడం, వేయడంలో సంరక్షణ చర్యలను పాటించాలి మరియు పరికరాల కడగడం వంటివి పాటించాలి.
- వరి పొలాలలో వేసవి పంటగా అపరాలు సాగు చేసే ప్రాంతాలలో తెల్లదోమకు సరియైన యాజమాన్యం పాటించడం ద్వారా పల్లాకు తెగులును నివారించాలి.

# भा.कृ.अनुप.–अटारी जोन–9, जबलपुर द्वारा समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के माध्यम से कृषकों तक संदेश पहुंचाने हेतु निदेशक अटारी जबलपुर की अपील

## कोविड – 19 के कारण लॉकडाउन (बन्दी ) अवधि के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए राज्य–वार दिशानिर्देश एवं सलाह

### भारत सरकार के दिशा–निर्देश*

निम्नलिखित कृषि और संबद्ध गतिविधियों को लॉकडाउन (बन्दी) की अवधि के दौरान छूट दी गयी है:

- पशु चिकित्सा अस्पताल।
- एमएसपी परिचालनों सहित कृषि उत्पादों की खरीद हेतु उत्तरदायी समस्त अभिकरण।
- जिन मंडियों का संचालन कृषि उपज मंडी समिति द्वारा किया जाता है या राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है।
- खेत में किसानों और खेतीहत मजदूर द्वारा खेती का संचालन।
- फार्म मशीनरी से संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC)।
- उर्वरक, कीटनाशक और बीजों के विनिर्माण और पैकेजिंग में कार्यरत इकाईयाँ।
- कम्बाइन हार्वेस्टर और कृषि/बागवानी उपकरणों द्वारा कटाई और बुवाई संबंधित मशीनों की अंतर–राज्य आवाजाही।

इन छूटों से कृषि और खेती से संबंधित गतिविधियों को बिना किसी असुविधा के सुनिश्चित किया जा सकेगा ताकि आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और किसानों को लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान कार्यान्वयन के लिए संबंधित मंत्रालयों/राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।

*(गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार नंबर 2440–3/2020–डीएम–आई(ए) दिनांक 24, 25 और 27 मार्च, 2020)

भारत सरकार के नीति–निर्देशों के आधार पर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियों को जारी रखने के लिए राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा कार्यान्वयन हेतु दिशानिर्देश जारी कर दिये गये है।

# राज्य – विशिष्ट दिशानिर्देश व सलाह

## छत्तीसगढ़

### सलाह

- राज्य सरकार के द्वारा कृषि व उद्यानिकी प्रक्षेत्रों में न्यूनतम श्रमिकों द्वारा कार्य करने के लिए अनुमति दी है इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा जारी किये गए उचित स्वच्छता उपाय व निर्देशों का पालन किया जाये।
- फसलों की कटाई एवं आदानों की उपलब्धता आदि से संबंधित किसानों की समस्यायों के समाधान के लिए जिला मुख्यालय के द्वारा टॉल फ्री नंबर 07868 – 241550 की शुरु किया।
- कृषि कार्यों के दौरान पानी, साबुन और मास्क की सुनिश्चित उपलब्धता होना।
- फसलों की कटाई व अन्य कार्यों के दौरान सभी के लिए अलग–अलग पानी की बोतल की व्यवस्था रखी जायें।
- किसानों को उनके खेतों में फलों व सब्जियों की तुड़ाई तथा उत्पादों को बिना रुकावट बाजार में परिवहन के लिए सलाह जारी की गई।
- फसलों की कटाई व मढ़ाई के दौरान डिस्पोज करने वाले जूते, दस्ताने व तीन परत वाले मास्क को पहनने की सलाह।
- यदि बीज उत्पादन किया जा रहा है तो बीज की शुद्धता को बनाये रखने के लिए अलग प्रकार की पौधों को उखाड़ दिया जाये तथा अलग से गहाई की जाये।
- फसल की कटाई से पहले भंडारित करने वाली जगह को तैयार रखें जो साफ एवं सुरक्षित होना चाहिए।
- कटाई के बाद फसल अवशेषों को जलाने से बचें। कटाई के बाद खेत में वेस्ट डिकम्पोजर का छिड़काव करें और खेत की जुताई करें व जुताई के आठ से दस दिन बाद फिर से इसका छिड़काव करें जिससे फसल अवशेष मृदा के अंदर अच्छी तरह से डिकम्पोज हो जाये।
- किसानों को खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई की सलाह दी जाती है।
- आम, नींबूवर्गीय फसलों व अन्य फलदार फसलों में सिंचाई का प्रबंधन किया जाये।
- टमाटर, बैंगन, मिर्ची, भिंडी व अन्य सब्जियों में जरुरत के अनुसार अंतर्वर्तीय क्रियायें व सिंचाई की जाये एवं नाइट्रोजन उर्वरक की उचित मात्रा को दिया जाये।
- ग्रीष्मकालीन मूंग पक चुकी है एवं कटाई लिये तैयार है।
- गर्मी के मौसम के लिए पत्तेदार सब्जियों जैसे चौलाई, बथुआ, लालभाजी/राजगिर, कलमी शाक व पालक के बीजों की बुवाई करें।

- अप्रैल के प्रथम सप्ताह में हरी धनिया की बुवाई धान के अवशेषों का उपयोग करना चाहिए, जिससे की गर्मियों में वाष्पीकरण की दर को काम किया सके।
- बरबटी, भिंडी व कद्दूवर्गीय फसलों जैसे गिल्की, तुरई, खीरा, कद्दू, लौकी व करेला की बुवाई नर्सरी में रोपा (सीडलिंग) के लिए करें।
- किसानों के खेत में कोलोकेसिया में पत्ती झुलसा रोग देखा गया है, इस रोग की रोकथाम के लिए फफूंदीनाशी का उपयोग करें।
- प्याज अपनी परिपक्व अवस्था में है अतः इस अवस्था में प्याज में सिंचाई न करें।
- इस समय भिंडी व पपीता में तापमान सफेद मक्खी के आक्रमण के लिए अनुकूल है अतः पीली चिपचिपी पट्टियों का जाल बिछाया जाये व उचित कीटनाशक का उपयोग करें।
- गर्मियों के दौरान युवा जानवरों के आवास, भोजन व स्वास्थ्य प्रबंधन की व्यवस्था करें।

## मध्यप्रदेश

### सरकार के दिशानिर्देश

- गेंहूँ खरीदने की तारीख 1 अप्रैल 2020 से तय की गयी थी, लेकिन कोविड–19 के कारण तिथियों को पुनर्निर्धारित किया जा रहा है। किसानों को सलाह दी जाती है की वे चिंता न करें गेंहूँ खरीदने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये जा रहे है।
- सरकार सभी आवश्यक वस्तुओं जैसे फलों, सब्जियाँ, दवाओं व दूध की आपूर्ति निश्चित कर रही है जिससे की इनकी आपूर्ति बंद नहीं होगी।
- प्रत्येक जिले में कस्टम हायरिंग सेंटर खुले रहेगे एवं ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेशर आदि के संचालन पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा।
- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) व संपत्ति कर का भुगतान 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है।
- कृषि उपज विपणन समिति ने फसल उत्पादन की खरीद सुनिश्चित करने के लिए कृषक समुदाय के लिए आवयश्क सेवाओं के लिए कार्य करने की सलाह दी।
- राज्य के किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग को आगामी खरीफ के मौसम के लिए  कृषि आदानों, उर्वरकों, कीटनाशक और बीज की व्यवस्था के लिए सलाह दी है।
- राज्य के पशुपालन विभाग को पशुओं के प्री–मानसून टीकाकरण के लिए वैक्सीन की व्यवस्था करने की सलाह दी।

### सलाह

- गेंहूँ, चना, मसूर व सरसों की कटाई व थ्रेसिंग की जानी चाहिये, अगर अभी तक नहीं की गयी है।

- किसान सिंचित क्षेत्रों में गेंहूँ एवं चना की कटाई के बाद खेतों को तैयार कर ग्रीष्मकालीन मूँग की बुवाई शुरू कर सकते है।
- खरीफ मौसम में खेत की तैयारी और बुवाई के लिए आवयश्क कृषि मशीनरी की उपलब्धता व रखरखाव सुनिश्चित करना।
- कृषि कार्यों के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और मास्क पहनें और सामाजिक दूरी बनाये रखें।
- कृषि कार्यों में उपयोग से पहले कृषि उपकरणों को साफ करें।
- ग्रीष्मकालीन मक्का और कद्दूवर्गीय फसलों की बुवाई के लिए उपयुक्त समय अपनायें।
- टमाटर, बैंगन, मिर्ची, भिंडी व अन्य सब्जियों में जरुरत के अनुसार समय पर अंतर्वर्तीय क्रियायें व सिंचाई की जाये एवं नाइट्रोजन उर्वरक की उचित मात्रा को दिया जाये।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि गिल्की, तरबूज और खरबूज जैसी सब्जियों की रोपाई का समय तय करें।
- जो किसान उद्यानिकी फसलों मुख्यतः फलों का बगीचा लगाना चाहते है वे गड्ढें तैयार करें और उन्हें उपचार के लिए खुला रखें और इसके साथ ही फलों की किस्मों का चुनाव करें और रोपण की व्यवस्था करें।
- ग्रीष्मकालीन सब्जियों जैसे कद्दू, करेला, भिंडी, लौकी आदि में जरुरत के अनुसार समय पर अंतर्वर्तीय क्रियायों व यूरिया के उपयोग की सलाह दी जाती है।